बर्षः- 05
अंकः- 353
मुरादाबाद
(Saturday)
18 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मतदान से 122 मिनट पहले PM की अपीलः कहा- करोड़ों महिलाओं की दृष्टि हम सभी पर है, संसद में संशोधन का साथ दें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारीशक्ति वंदन अधिनियम पर संसद में मतदान होने से पहले अपने एक्स पोस्ट में कहा कि कहा कि सभी आशंकाओं और भ्रमों का समाधान किया जा चुका है।

उन्होंने जोर दिया कि अब समय है महिलाओं को उनका अधिकार देने का और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ाने का।लोकसभा में आज शाम 4 बजे %नारी शक्ति वंदन अधिनियम% में संशोधन के लिए लाए गए विधेयक पर वोटिंग होनी है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से अपील करते हुए कहा कि सोच-विचार करके पूरी संवेदनशीलता से निर्णय लें, महिला आरक्षण के पक्ष में मतदान करें। मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में कहा कि संसद में इस समय नारीशक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन पर गंभीर चर्चा चल रही है, जो देर रात तक जारी रही। उन्होंने बताया कि इस दौरान उठाए गए सभी भ्रमों और आशंकाओं का तर्कसंगत तरीके से समाधान किया गया है और जिन सदस्यों के पास जानकारी का अभाव था, उन्हें भी पूरी जानकारी उपलब्ध कराई गई है।प्रधानमंत्री ने कहा कि इस मुद्दे पर देश में पिछले चार दशकों से राजनीति होती रही है, लेकिन अब समय आ गया है कि देश की आधी आबादी महिलाओं को उनका अधिकार मिले। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत कम है, जो उचित नहीं है। संसद में इस समय नारीशक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन पर चर्चा चल रही है। कल रात भी एक बजे तक चर्चा चली है। जो भ्रम फैलाए गए, उनको दूर करने के लिए तर्कबद्ध जवाब दिया गया है। हर आशंका का समाधान किया गया है। जिन जानकारियों का अभाव था, वो जानकारियां भी हर सदस्य को दी गई हैं। किसी के मनज्पीएम ने सभी राजनीतिक दलों से क्या अपील की? उन्होंने बताया कि लोकसभा में इस विधेयक पर जल्द ही मतदान होने वाला है और सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ निर्णय लें तथा महिला आरक्षण के पक्ष में मतदान करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह देश की नारी शक्ति की ओर से भी सभी सांसदों से आग्रह करते हैं कि कोई भी ऐसा कदम न उठाएं जिससे महिलाओं की भावनाएं आहत हों। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की करोड़ों महिलाओं की नजर इस फैसले पर टिकी है, हमारी नीयत, हमारी सोच और हमारे निर्णय पर। इसलिए सभी से अनुरोध है कि नारीशक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन का समर्थन करें।

संक्षिप्त समाचार

मथुरा में मंच पर लड़खड़ाए एसडीएम, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने तुरंत थामा हाथ

मथुरा के ग्राम परखम में आयोजित श्रीराम कथा में एसडीएम अभिनव जे जैन मंच पर पीछे रखे स्पीकर को देख नहीं पाए और वहीं लड़खड़ाकर गिर पड़े। पास खड़े डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने जैसे ही यह देखा तुरंत उन्हें हाथ पकड़कर उठाया। डिप्टी सीएम के सरल स्वभाव की हर तरफ चर्चा हो रही है।उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्रीराम कथा के दौरान एसडीएम सदर अभिनव जे. जैन के मंच पर लड़खड़ाकर गिर जाने की घटना सामने आई है। इस दौरान, वहां मौजूद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने तत्परता दिखाते हुए प्रोटोकॉल की परवाह न करते हुए तुरंत एसडीएम का हाथ पकड़कर उन्हें सहारा दिया। इस मानवीय पहल की सोशल मीडिया पर जमकर सराहना हो रही है।यह घटना फरह इलाके में स्थित गो ग्राम परखम में आयोजित दीन दयाल उपाध्याय स्मृति कार्यक्रम के दौरान हुई। जानकारी के अनुसार, रामकथा का आयोजन भी चल रहा था, जिसमें उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शामिल होने पहुंचे थे। कथा सुनाने वाले संत का आशीर्वाद लेने के लिए एसडीएम अभिनव जे. जैन मंच पर आगे आए थे। संत से आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद जब वे मंच पर पीछे की ओर लौट रहे थे, तभी उनका संतुलन बिगड़ गया और वे गिर पड़े।जैसे ही उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने एसडीएम को गिरते हुए देखा, उन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया दी।

संसद में ठहाकेः प्रधानमंत्री और मेरे साथ वाइफ इशू नहीं; महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के दौरान बोले राहुल गांधी

लोकसभा के विशेष सत्र में राहुल गांधी ने हल्के अंदाज में कहा कि प्रधानमंत्री और मुझे पत्नी वाला मुद्दा नहीं है, जिससे सदन में मुस्कान का माहौल बना। आइए विस्तार से जानते हैं। लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन पर आयोजित विशेष सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हल्के-फुल्के अंदाज में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री और मुझे 'पत्नी वाला मुद्दा' नहीं है, जिससे सदन में हंसी का माहौल बन गया। इसके बाद राहुल गांधी ने गंभीर स्वर अपनाते हुए महिलाओं की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाएं देश की सामूहिक सोच और कल्पना की महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हर व्यक्ति ने अपने जीवन

में महिलाओं से बहुत कुछ सीखा है चाहे वह परिवार हो, समाज हो या सार्वजनिक जीवन।परिसीमन से महिला सशक्तिकरण नहीं- राहुल गांधी राहुल गांधी ने आगे कहा कि परिसीमन से महिला सशक्तिकरण नहीं हो सकता है। राहुल गांधी ने इस दौरान कहा कि पुराना बिल लाइए, हम उसे पास कराएंगे। चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि सरकार देश के ओबीसी भाई-बहनों को ताकत नहीं देना चाहती है, ये एससी-एसटी के अधिकार छीनने की कोशिश है। राहुल गांधी ने कहा कि यह विधेयक देश के चुनावी मानचित्र को बदलने का एक प्रयास है; इसके लिए भारत की महिलाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है और उनकी आड़ ली जा रही है।भाजपा को अपनी शक्ति में गिरावट का डर- राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि अगले 15 वर्षों तक जाति जनगणना का प्रतिनिधित्व से कोई संबंध न रहे।

विपक्ष के नेता ने आगे कहा कि भाजपा को अपनी शक्ति में गिरावट का डर सता रहा है, सरकार भारतीय राजनीतिक मानचित्र को बदलने की कोशिश कर रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, कल मैं अपनी बहन को कुछ ऐसा करते हुए देख रहा था जो उसने पांच मिनट में हासिल कर लिया, जो मैं शायद अपने 20 साल के राजनीतिक करियर में नहीं कर पाया - अमित शाह को मुस्कुराने पर मजबूर करना।

हरिवंश तीसरी बार उपसभापति बनेः पीएम मोदी ने दी बधाई, नेता प्रतिपक्ष खरगे ने लोकसभा के खाली पद की याद भी दिलाई

राज्यसभा में पहली बार किसी मनोनीत सांसद को उपसभापति बनाया गया, जहां हरिवंश नारायण सिंह को यह जिम्मेदारी मिली। पीएम मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए जेपी और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर से उनके जुड़ाव का भी उल्लेख किया। वहीं इस बीच मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा में सात साल से खाली पड़े उपाध्यक्ष के पद को लेकर सवाल उठाया।राज्यसभा में शुक्रवार को एक ऐतिहासिक घटना दर्ज हुई। पहली बार किसी मनोनीत सांसद को उपसभापति पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह जिम्मेदारी हरिवंश नारायण सिंह को मिली है, जिन्हें

हाल ही में द्रौपदी मुर्मू द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरिवंश को राज्यसभा के उपसभापति के रूप में तीसरी बार चुने जाने पर बधाई दी।बधाई संदेश में जेपी से लेकर चंद्रशेखर तक का जिक्र पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में आपातकाल जैसे निर्णयों का मुखर विरोध करने वाले बिहार के जननेता के तौर पर लोकप्रिय रहे जयप्रकाश नारायण (जेपी) का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, हरिवंश जी का जन्म जेपी के गांव में हुआ है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर का भी जिक्र किया। बतौर लेखकर हरिवंश के जीवन का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज उनकी जयंती के दिन तीसरे कार्यकाल के निर्विरोध चुना जाना इस अवसर को खास बनाता है।पीएम ने कहा कि पूरे सदन को आप पर गहरा विश्वास है, हरिवंश जी की कार्यशैली का सभी सम्मान करते हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हरिवंश जी सभी की बातें सुनते हैं और उनका यह नया कार्यकाल समर्पण और संतुलन से आगे बढ़ेगा।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हरिवंश को बधाई देते हुए कहा कि हमें इस बात से तकलीफ है संवैधानिक अनुच्छेद 93 में निहीत संवैधानिक भावना के विपरित लोकसभा में 2019 से उपाध्यक्ष का पद खाली है। सात वर्षों से वह रिक्त है, कितना अच्छा होता कि राज्यसभा की तरह लोकसभा में भी ऐसी ही हुआ होता। साल से एक उपाध्यक्ष को चुन नहीं पा रहे हैं तो इसका मतलब क्या है, हर कोई लोकतंत्र की बात करता है।

महिला आरक्षण के मामले में गिरगिट की तरह रंग बदल रही कांग्रेस, सपा पर भी बरसीं मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर सपा-कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा व कांग्रेस ने सत्ता में रहने पर कभी भी एससी-एसटी और ओबीसी के हितों के लिए तय कोटे को कभी भी पूरा नहीं किया।बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर कहा कि सत्ता में रहने पर कांग्रेस ने कभी भी एससी-एसटी और ओबीसी समाज के हितों का ध्यान नहीं रखा और अब इन वर्गों की महिलाओं की बात कर रही है। इसी तरह सपा का भी एससी-एसटी और ओबीसी के प्रति सत्ता में रहने पर तिरस्कारपूर्ण रवैया रहता है।उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि 1. देश के अनुसूचित जाति-जनजाति व पिछड़े समाज के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के मामले में कांग्रेस गिरगिट की तरह अपना रंग बदलने पार्टी भी महिला आरक्षण में, जो अब इन वर्गों की बात कर रही है, वो यही कांग्रेस पार्टी है जिसने अपनी केन्द्र की सरकार के रहते हुये किसी भी क्षेत्र में इनके आरक्षण के कोटे को पूरा कराने की कभी पहल नहीं की। 2. तथा ना ही ओबीसी समाज हेतु मण्डल कमीशन की रिपोर्ट के हिसाब से उन्हें सरकारी नौकरी व शिक्षा के क्षेत्र में 27 प्रतिशत आरक्षण को भी लागू किया जिसे फिर बसपा के अथक प्रयासों से पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की सरकार में अनतत: लागू किया गया था, जो सर्वविदित है। 3. इसी

प्रकार, यूपी में पिछड़े मुस्लिमों को ओबीसी का लाभ देने के लिए, पिछड़ा वर्ग आयोग की जुलाई 1994 में ही आई रिपोर्ट को भी सपा सरकार ने ठण्डे बस्ते में डालकर इसे लागू नहीं किया था, जिसे फिर यहां बसपा की दिनांक 3 जून सन 1995 में पहली बनी सरकार ने इसे तुरन्त लागू किया।

अब यही सपा अपना रंग बदलकर अपने राजनैतिक स्वार्थ में इनकी महिलाओं को अलग से आरक्षण देने की बात कर रही है। 4. इस प्रकार, अन्य मामलों की तरह इस मामले में भी सपा जब सरकार में नहीं है तो अलग रवैया अपना रही है, किन्तु जब सरकार में होती है तो अलग संकीर्ण जातिवादी व तिरस्कारी रवैया अपनाती है। अत: इन सभी वर्गों को ऐसी सभी छलावा एवं दोहरे चरित्र वाली पार्टियों से हमेशा सावधान रहना होगा तभी कुछ बेहतर संभव हो पाएगा। 5. जहां तक महिला आरक्षण के लिए पिछली (सन् 2011) जनगणना के आधार पर परिसीमन करने का सवाल है तो इस बारे में यही कहना है कि यदि इसे जिन भी कारणों से जल्दी लागू करना है तो फिर इसी जनगणना के आधार पर करना है और यदि वर्तमान में कांग्रेस पार्टी केन्द्र की सत्ता में होती तो फिर यह पार्टी भी बीजेपी की तरह ही यही कदम उठाती। 6. कुल मिलाकर, कहने का तात्पर्य यह है कि देश में एससी, एसटी व ओबीसी एवं मुस्लिम समाज के वास्तविक हित, कल्याण व उनके भविष्य संवारने आदि के किसी भी मामले में कोई भी पार्टी गम्भीर नहीं रही है। 7. इसीलिये महिला आरक्षण के मामले में इन वर्गों को अभी जो कुछ भी मिलने वाला है उसे इनको फिलहाल स्वीकार कर लेना चाहिये और इस मामले में आगे अच्छा वक्त आने पर इनके हितों का सही से पूरा ध्यान रखा जायेगा अर्थात इन्हें किसी के भी बहकावे में नहीं आना है क्योंकि इनको खुद अपने पैरों पर खड़े होकर अपने समाज को आत्मनिर्भर एवं मजबूत बनाना है। यही सलाह है।

वाराणसी में बवालः दो संगठनों के विवाद में जमकर हुआ पथराव, एसीपी का फटा सिर, दरोगा समेत दो पुलिसकर्मी घायल

उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में पोस्टर और झंडा के विवाद ने हिंसा का रूप धारण कर लिया है। शुक्रवार को मामले में दो संगठनों के बीच पथराव होने से पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं। वाराणसी कमिश्नरेट के चोलापुर थाना क्षेत्र के नेहिया में आंबेडकर और केशरिया झंडा उतारने को लेकर दूसरे दिन भी बवाल हो गया। दोनों संगठनों के विवाद में जमकर पत्थरबाजी हुई। जिसमें एसीपी सारनाथ विदुष सक्सेना का सिर फट गया। घटना के बाद घायल एसीपी सारनाथ को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पत्थरबाजी में एक दरोगा समेत दो पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। वहीं दो संगठनों के विवाद में पथराव के बाद मौके पर पांच थानों की पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। घटनास्थल पर डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार, लालपुर पांडेयपुर थाना प्रभारी, सारनाथ थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस बल मौजूद

हैं। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर एसडीएम पिंडरा, तहसीलदार पिंडरा कुलवंत सिंह सहित एडिशनल सीपी भी पहुंचे और घटना की जानतारी ली। क्या है पूरा मामला- जानकारी के अनुसार, 14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती के अवसर पर गांव स्थित भैरव बटुक धाम जाने वाले गेट पर कुछ लोगों ने आंबेडकर का झंडा लगाया था। आरोप है कि बाद में कुछ अराजकतत्वों ने झंडे को फाड़कर जला दिया। इसकी सूचना मिलते ही भीम आर्मी के कार्यकर्ता आक्रोशित हो उठे और विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई, जब हिन्दू युवा वाहिनी के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। दोनों पक्षों के आमने-सामने आने से माहौल गरमा गया और विवाद बढ़ने लगा। मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों पक्षों को शांत कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। इधर, शुक्रवार को फिर दोनों पक्ष आमने- सामने आ गए।

संपादकीय Editorial

A Time for Women's Power

This is a time of "great change" in the country's parliamentary system. A special session of Parliament will discuss the implementation of the Women's Reservation Act and the passage of the new Delimitation Act on April 16, 17, and 18. The bill and law, which provide for the reservation of 33% of seats for women in the Lok Sabha and state assemblies, have been pending for the past 30 years. When the Women's Reservation Bill was first introduced in 1996 during the Deve Gowda government, Parliament was divided along lines of women from the upper castes, fashionable women, and Dalit women. The bill was torn apart. Such fears and apprehensions were expressed by parliamentary leaders like Mulayam Singh Yadav, Sharad Yadav, Uma Bharti, and Lalu Yadav, who feared that only women with haircuts, fashionistas, and high-class families would reach Parliament through reservation. As a result, the bill continued to be delayed and sidetracked. In September 2023, the Modi government passed this bill as the "Nari Shakti Vandan Bill." It became law after the President's signature in November 2023, but it has not been implemented. The government could have implemented it before the 2024 Lok Sabha elections, as the 2011 census was to be used as the basis. The current number of Lok Sabha seats was based on the 1971 census. After 55 years, change is inevitable because the country's economy, along with the population, has also changed. Since this matter was frozen until 2026, the government is now forming a new Delimitation Commission and will pass the law in Parliament. To implement the Women's Reservation Act in the 2029 Lok Sabha elections and subsequent assembly elections and by-elections, the 131st Constitutional Amendment will be introduced in Parliament. To pass the Constitutional Amendment Bill, the government needs the support of 362 MPs, or a two-thirds majority of the MPs present in the House. The opposition has 233 MPs, posing a challenge for the government. The opposition is also making this an issue and may demand a division of votes against the bill on the delimitation law. The delimitation law can be passed with a simple majority, but women's reservation is a constitutional amendment, requiring a two-thirds majority. An opposition meeting was scheduled for Wednesday. The opposition is clinging to questions about why a special session of Parliament was called just a week before the elections in Tamil Nadu and West Bengal, and why the government planned to pass constitutional amendments on women's reservation and delimitation laws. Some experts are also offering explanations that the women's reservation law cannot be implemented before the 2039 Lok Sabha elections, because another delimitation may be required after the 2027 census, or that the delimitation process may not be completed until 2029. Politics, however, is at the heart of every heart in this country, but this is a time to transform the social, political, gender, and parliamentary landscape of the country. According to the proposal currently under consideration in Parliament, 815 MPs will be elected from the states to the Lok Sabha, while 35 will be elected from the Union Territories. Thus, the Lok Sabha could have 850 MPs by 2029. Currently, this number is 543. The reservation will be for 15 years.

Women's reservation is a harbinger of equality.

The Nari Shakti Vandan Act is not just a legislative reform, but also a milestone towards achieving the goal of a developed India. It is essential that this Act be implemented as soon as possible. The Nari Shakti Vandan Act will provide 33% reservation to women. This Act will empower women in policy-making. This Act is an important milestone towards achieving a developed India. In Indian culture, women are revered and considered embodiments of power. The word 'Nari', derived from the root 'Nari', means one who leads. In ancient India, many women like Lopamudra, Maitreyi, Gargi, Apala, and Mugdalani played a role in shaping contemporary society, politics, and philosophy. Our women also participated actively in the freedom movement. Unfortunately, after independence, women's place in political leadership became secondary. While many parties acknowledged this problem, they failed to take any concrete initiative in this direction. The government led by Prime Minister Narendra Modi, in 2023, reserved 33 percent of seats for women in the Lok Sabha and Legislative Assemblies through the Nari Shakti Vandan Act, giving women the place they deserve. Now, it's time for its implementation. In a democratic system, the concept of justice rests on the foundation of equality. If there is inequality in the political representation of women and men, then such a system cannot be truly democratic. The Nari Shakti Vandan Act is a harbinger of political equality. It will give Indian women their rightful place at the highest forums of policymaking. This will bring widespread prestige to democracy. Considering the historical background of this Act, its journey spans more than 30 years. Despite being part of the manifestos of many parties, this issue remained marginalized. At one point, parties like the Samajwadi Party and the RJD even opposed it. In 2023, the Modi government convinced all parties to support women's reservation and passed the Nari Shakti Vandan Act (106th Constitutional Amendment), providing 33 percent reservation for women in the Lok Sabha and Legislative Assemblies. It will also reserve one-third of the seats for women from SC and ST categories. Undoubtedly, women's participation in Panchayats is yielding positive results, but their role in the top policy-making process remains negligible. Currently, women's participation in the Lok Sabha and Legislative Assemblies is less than 15 percent. This Act will increase the number of Lok Sabha seats from the current 543 to 850. Similarly, the number of seats in the Legislative Assemblies will also increase. This will strengthen women's voices at the policy-making level. The entry of women into the political process inculcates values ??such as sensitivity, patience, and compassion. Just as an Indian woman dedicatedly supports her family, a female MLA or MP can deeply understand and address the primary problems of her constituency. According to sociological studies, when women participate in power, greater investment is made in public sectors such as education, public health facilities, drinking water supply, etc. One characteristic of the Modi government that appeals to women is its full-fledged efforts towards women's empowerment. Numerous schemes are underway to integrate women from marginalized sections of society into the mainstream. Crores of women have benefited from various schemes like PM Awas Yojana, Mudra, and Ujjwala Yojana. The Nari Shakti Vandan Act fulfils the Modi government's commitment to women. This Act will elevate women from a mere vote bank to a "center of power." Granting women legislative power will increase the likelihood of enacting more effective laws on issues such as crimes against them, property rights, and workplace safety. When women become policymakers, they will strive to more effectively implement policies promoting women's entrepreneurship, self-help groups, and the rural economy. The economic participation of half the population can also accelerate the growth of the Indian economy. The Nari Shakti Vandan Act is not just a legislative reform but also a milestone towards achieving the goal of a developed India. It is essential that this Act be implemented as soon as possible, as women have been waiting for their political participation for nearly 30 years. To implement the Nari Shakti Vandan Act, passed in 2023, it was necessary to complete the census and delimitation process. However, due to the delay in the census, delimitation would have taken time, preventing women's reservation from being implemented in the next general elections. Therefore, an initiative was taken to amend the Nari Shakti Vandan Act. This would allow delimitation and seat allocation to be based on the 2011 census rather than the new census. This step will avoid delays in implementing the Act. Prime Minister Modi has rightly appealed to all parties to rise above partisan interests and demonstrate unity on this important issue. It is hoped that no party will obstruct this special session of Parliament, as this is not only a question of political empowerment for Indian women, but also of their all-round development.

Simply becoming a large market is not enough.

India's market dependence is risky in the global crisis. Self-reliance in energy, digital, and health is essential. A balanced foreign policy and national interest are paramount. The world is currently going through a strange phase. Wars are ongoing, preparations are underway, and even without war, everything is being affected. Previously, it was believed that if markets remained open, the economy would continue to thrive. However, this belief is now waning, as today's crisis is not just about trade, but also about supply, security, and trust. At such a time, India must understand that it cannot progress simply by becoming a large market. Especially if the market remains dominated by one power. This can lead to the economy collapsing at any time. India is becoming merely a large consumer nation. We have a young population, a rapidly growing digital economy, and a large market for the world's largest companies. But can a country become strong simply by being a consumer? If our external dependence on production, technology, energy, and other essential resources continues, even the slightest global upheaval can shake us, and we have an example of this today. The primary impact of wars is energy. Oil and gas prices rise, and supply disruptions occur.

This impacts the common man's pocket, but the crisis doesn't end there. Another major threat is the digital infrastructure. Today, a large part of our lives relies on the internet, data, and the cloud. From banking to government services, education to business, everything has become digital. If war impacts data centers, disrupts internet access, or increases cyberattacks, the entire system could come to a standstill. Healthcare is no exception. We often think that hospitals are run solely by doctors and medicines, but the truth is that they depend on a global supply chain. For example, the helium gas used in MRI machines is a special gas that helps the machine operate at the right temperature. India imports a large portion of its helium needs from Qatar, which is one of the world's largest producers of helium. If war disrupts the supply from there, it will directly impact our hospitals. Delays in diagnosis can make treatment more expensive, and services can be disrupted in many places. This means that war impacts even the treatment of ordinary citizens. This situation forces us to consider that development cannot be solely about the market. The market is essential, but it cannot do everything. The market thrives where it benefits, but the country also needs to work in areas where the benefits are not immediately apparent, but are no less important: infrastructure, health, education, energy, and research. If these sectors are left entirely to the market, inequality will increase and the country will weaken. This is why Jawaharlal Nehru understood that the role of government is essential for a new nation to strengthen itself. He emphasized industry, power, scientific institutions, and the public sector so that the country could stand on its own feet. His aim was not just economic development, but to create a system that could withstand crises. Even foreign policy, considered a key to coordination with the outside world, today shows imbalances. On the one hand, we talk about independent decisions, but sometimes this bias is more evident in practice. Increasing closeness with Western countries may be necessary, but if the balance is disturbed, our traditional ties could be weakened. The strength of foreign policy lies in maintaining relationships with all parties. Another imbalance is that there is not always a clear alignment between foreign policy and economic policy. We talk about an independent stance on global platforms, but our dependence on certain countries in matters of trade and technology is increasing. This situation could pose risks in the future, especially when the world is already full of uncertainty. A strong foreign policy is one that protects the country's interests under all circumstances and avoids over-reliance on any one direction. Today, the world is divided into many camps. Major countries are making decisions according to their own discretion. In such a situation, India must tread carefully. We must maintain relations with everyone, but not become completely dependent on any one. This balance can be our strength. Today, self-reliance does not simply mean building factories. This means that we should not be completely dependent on foreign countries for essential commodities. We need diverse sources of energy, digital infrastructure under our control, and essential medicines and medical equipment manufactured domestically. We must also enhance our technological capabilities. The market will not do all this on its own; it requires policy, investment, and planning. One challenge along this path is not to undermine our security and independence in the pursuit of development. If we rely solely on the market, we may see a temporary boom, but the risks will increase in the long run. Development no longer means simply buying and selling more. It means preparing our country for all kinds of crises. Whether it's energy, data, or healthcare, we must become stronger in every sector. The right path for India is one that combines the power of the market with the wisdom of the state. Where the private sector thrives, yet national interests are not left behind. Where there is global connectivity, yet self-reliance is maintained. If we strike this balance, If we can do this, India will not only remain a big market but will also emerge as a strong and confident nation.

ठाकुरद्वारा में आपसी विवाद को लेकर हुआ पथराव, घटना में दोनों पक्षों के 11 लोग घायल

ठाकुरद्वारा के नारायणपुर छंगा गांव में देर रात दो पक्षों के बीच विवाद के बाद पथराव हो गया। इसमें दोनों पक्षों के कई लोग जख्मी हो गए।नारायणपुर छंगा गांव में बृहस्पतिवार देर रात एक आयोजन में शामिल होने आए लोगों का अन्य ग्रामीणों से विवाद हो गया। दोनों पक्षों के बीच पथराव हुआ। घटना में दोनों पक्षों के 11 लोग घायल हुए हैं।

गांव में तनाव के चलते फोर्स तैनात कर दी गई है।बताया जा रहा है कि नारायणपुर छंगा गांव में मिश्रित आबादी है। 2022 में भाजपा से ठाकुरद्वारा विधानसभा सीट से चुनाव लड़े अजय प्रताप सिंह भी इसी गांव में रहते हैं।दो दिन पहले ही गांव में डॉ. आंबेडकर की जयंती मनाई गई थी। बृहस्पतिवार को भाजपा नेता अजय का जन्मदिन था। कार्यक्रम में शामिल होने आए कुछ लोगों ने अपनी गाड़ियां गांव में लगी डॉ. आंबेडकर की मूर्ति के पास खड़ी कर दी थीं। लोगों को मूर्ति के पास गाड़ी लगाने से रोका गया- गांव निवासी प्रकाश वीर ने बताया कि कुछ लोग मूर्ति के पास गाड़ी खड़ी कर रहे थे। उन्हें रोका तो लोग भड़क गए और उन्होंने पथराव शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि इसी मूर्ति का अपमान हुआ। प्रकाश वीर का कहना है कि उनके पक्ष के सात लोग घायल हो गए हैं। भाजपा नेता ने कहा- मैंने ही लगवाई थी मूर्ति- अजय प्रताप सिंह का कहना है कि उन्होंने ही दो साल पहले ग्राम समाज की भूमि पर आंबेडकर मूर्ति लगवाई थी लेकिन कुछ लोग यहां कूड़ा डालने लगे थे। कुछ ही दूरी पर शनिदेव मंदिर है। लोगों ने कूड़ा डालने का विरोध किया तो विवाद हुआ। उन्होंने बताया कि वहां गाड़ियां खड़ी थीं। इसी दौरान किसी ने पथराव कर दिया। कार्यक्रम में शामिल होने आए चार लोग घायल हुए हैं। गांव में तनाव नहीं- पुलिस- एसएसपी सतपाल अंतिल का कहना है कि कार पार्किंग को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। मामले की जांच की जा रही है। गांव में जातीय तनाव जैसी कोई स्थिति नहीं है।

एंबुलेंस में इधर ऑक्सीजन खत्म, उधर हादसे में घायल की जिंदगी; गुस्साए परिजनों ने वाहन में की तोड़फोड़

निजी एंबुलेंस की लापरवाही से घायल कुलदीप सिंह की मौत हो गई। एंबुलेंस में ऑक्सीजन और डीजल खत्म होने से इलाज में देरी हुई। रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।निजी एंबुलेंस चालक की मनमानी और मुसीबत में घिरे परिवार से सौदेबाजी एक युवक की जिंदगी पर भारी पड़ गई। बुधवार देर रात जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर हादसे के घायल को जल्द अच्छे हेल्थ सेंटर पर पहुंचाने के लिए परिजनों ने सामने नजर आई ऑक्सीजन सपोर्ट वाली निजी एंबुलेंस का सहारा लिया। मुरादाबाद जाते समय पहले सिलिंडर की ऑक्सीजन खत्म हुई और कुछ देर बाद डीजल। इस लापरवाही से हुई इलाज में देरी के कारण घायल की सांसें थम गईं।सिस्टम पर बड़े सवाल खड़े करने वाली इस घटना का शिकार हुए गांव अहमदनगर जिबाई निवासी 40 वर्षीय कुलदीप सिंह। परिजनों ने बताया कि बुधवार की देर रात बाइक से घर आते समय ट्रैक्टर की चपेट में आकर कुलदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजन उन्हें जिला अस्पताल लाए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन जल्द अच्छा इलाज दिलाने के लिए कुलदीप को निजी एंबुलेंस से मुरादाबाद ले जा रहे थे।परिजनों का कहना है कि मुरादाबाद के सफर पर थोड़ा आगे बढ़ते ही कुलदीप को सिलिंडर से ऑक्सीजन मिलना बंद हो गई। हालत बिगड़ने से पहले अस्पताल पहुंच जाने की कोशिश में चालक से एंबुलेंस तेज चलाने के लिए कहा तो कुछ दूरी के बाद उसने डीजल खत्म बताकर एंबुलेंस रोक दी। उसकी मांग पर परिजनों ने डीजल के लिए बिना झिझके पैसे दे दिए लेकिन इस बीच इलाज की देरी भारी पड़ गई। घायल कुलदीप अच्छे हेल्थ सेंटर पहुंचने से पहले ही दम तोड़ गए। थाना प्रभारी कुलदीप राणा ने बताया कि इस मामले में परिजनों की ओर से अभी तक तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलते ही रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

जी एंबुलेंसों की जांच के आदेश- घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए जिले में निजी एंबुलेंस सेवाओं पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। विभाग की ओर से जनपद में दौड़ रहीं सभी निजी एंबुलेंस की जांच के आदेश दिए हैं। सिस्टम पर उठे सवाल- घायल को समय पर बेहतर इलाज दिलाने के बजाय निजी एंबुलेंस चालक की लापरवाही भारी पड़ गई। ऑक्सीजन और ईंधन जैसी मूलभूत सुविधाओं का खत्म होना व्यवस्था की बड़ी चूक है। घटना के बाद स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी और निजी एंबुलेंस संचालन पर सवाल खड़े हो गए हैं। अब विभाग सख्ती की बात कर रहा है, लेकिन सवाल यह है कि पहले ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस व्यवस्था क्यों नहीं की गई। मरीज को उपचार के लिए लेकर जाते समय ऑक्सीजन और ईंधन खत्म होना गंभीर लापरवाही है। जनपद में संचालित सभी निजी एंबुलेंसों की जांच कराई जाएगी। अवैध संचालन या कमी पाए जाने पर संबंधित संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिले में कितनी निजी एंबुलेंस चल रही हैं, इसके लिए एआरटीओ को पत्र भेजकर एंबुलेंसों की डिटेल मांगी गई है। -डॉ. दीपा सिंह, सीएमओ

निर्यातकों की मांग उठाई तो यस से हुई विदाई, संस्था ने पूर्व अध्यक्ष और कई सदस्यों को किया बेदखल

निर्यात में आई गिरावट को देखते हुए रियायत की मांग उठाने पर यंग एंटरप्रेन्योर सोसायटी (यस) ने अपने कुछ सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई कर दी। पूर्व नेशनल चेयरमैन विशाल अग्रवाल समेत कई निर्यातकों को संस्था और व्हाट्सएप ग्रुप से बाहर कर दिया गया। अंतरराष्ट्रीय माहौल के कारण चुनौतियों में घिरे निर्यात और इतनी नागवार गुजरी कि इस सलाह के पैरोकार कारोबारियों को यंग दिया गया। यस से जुड़े निर्यातकों को संस्था के व्हाट्सएप ग्रुप से भी निर्यातकों के हित में उठाई गई मांग कुछ जिम्मेदारों को एंटरप्रेन्योर सोसायटी (यस) से बाहर का रास्ता दिखा बाहर कर दिया है। यस के पूर्व नेशनल चेयरमैन विशाल की गई छूट की मांग पर यस का यह एक्शन तमाम इतनी उठा-पटक के बावजूद ईपीसीएच के कर्णधार इस के बीच आईजीएफ मेला आयोजित होना है। इसके लिए शुल्क जमा करने जैसी औपचारिकताएं पूरी कराई जा एशिया के युद्ध से बिगड़ी निर्यात और निर्यातकों की मांग की थी। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक (ईडी)

अग्रवाल भी संस्था से किनारे किए गए लोगों में शामिल हैं। ईपीसीएच से निर्यातकों के गले नहीं उतर पा रहा। उनकी हैरानी इस बात पर भी है कि मामले में खुलकर बोलने से बच रहे हैं।ग्रेटर नोएडा में 13 से 17 अक्तूबर मेला आयोजक ईपीसीएच द्वारा स्टॉल और स्पेस की बुकिंग, निर्धारित रही हैं। इस बीच यस के पूर्व नेशनल चेयरमैन विशाल अग्रवाल ने पश्चिम स्थिति का हवाला देते हुए स्थान की बुकिंग में नरमी और रियायत की राजेश रावत को विशाल समेत कुछ अन्य निर्यातकों ने पत्र भेजा था। इसमें मेले में स्थान के लिए एडवांस जमा राशि घटाकर 10 हजार रुपये करने का सुझाव दिया था। कहा था कि स्टॉल आवंटन के बाद 30 सितंबर तक बाकी राशि जमा कराई जाए। स्टॉल का किराया 8750 रुपये प्रति वर्गमीटर से घटाकर 5000 रुपये प्रति वर्गमीटर करने की भी मांग थी। विशाल का कहना है कि हमारी यह मांग एमएचईए के पदाधिकारियों को पसंद नहीं आई। नाराज लोगों ने उन्हें और कई सदस्यों को यस तथा उसके व्हाट्सएप ग्रुप से हटा दिया। विशाल के मुताबिक नदीम खान, नबील अहमद, काजी शौकत, शफात अहमद, मोहम्मद नाजिम को भी किनारे कर दिया गया है। मेरे पास तक नहीं आया मामला: खन्ना - ईपीसीएच के अध्यक्ष नीरज खन्ना का कहना है कि यह मामला अभी तक मेरे पास तक नहीं आया है। अगर सदस्यों की ओर से कोई मांग की गई है तो उसे ईपीसीएच को मेल किया जाए। इसके साथ ये सदस्य आकर मिल लें। इसका समाधान कर दिया जाएगा। नदीम बोले...की जा रही तानाशाही - निर्यातक एवं यस व एमएचईए के सदस्य नदीम खान ने इसे तानाशाही बताया है। उन्होंने कहा कि हम सभी की ओर से की गई मांग का सौ से अधिक सदस्यों ने समर्थन किया था। हमें ग्रुप से इसलिए निकाल दिया गया ताकि निर्यातकों की सही मांगें दमदार तरीके से नहीं उठ सकें। एक्सपोर्टर्स वॉइस फोरम संस्था का गठन- यस के पूर्व नेशनल चेयरमैन विशाल अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने कई सदस्यों के साथ मिलकर एक्सपोर्टर्स वॉइस फोरम संस्था बनाई है। इसमें यस और एमएचईए से जुड़े 120 सदस्य शामिल हैं। उनका कहना है कि इस संस्था को 10 दिनों में पूरी तरह सक्रिय कर दिया जाएगा।

अक्षय तृतीया के लिए बाजार तैयार, ग्राहक कर रहे गहनों की प्री बुकिंग, कारोबारी दे रहे छूट का ऑफर

अक्षय तृतीया को लेकर शहर के सराफा बाजार में रौनक है। कई लोगों ने गहनों की एडवांस बुकिंग भी की है। बढ़ती कीमतों के बावजूद ग्राहक परंपरा के चलते सोने-चांदी व डायमंड ज्वेलरी खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं।अक्षय तृतीया के लिए अच्छे कारोबार की उम्मीद है। हालांकि अक्षय ग्राहकों ने दुकानों में गहने पसंद करके भुगतान उत्साह नजर आ रहा है।शहर के मंडी चौक, छाने लगी है। कई ग्राहक शादियों के लिए के लिए गहने पसंद करने और बुकिंग करने लगी है। साथ ही इस अवसर पर ग्राहकों को हैं। मंडी चौक सराफा कारोबारी अमित गुप्ता चढ़ाव आए हैं।इस दौरान पिछले साल के चांदी का खरीदना शुभ माना जाता है। इसी हैं। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर गहनों

शहर के सराफा बाजार पूरी तरह से तैयार है और इस बार भी व्यापारियों को तृतीया 19 अप्रैल को है लेकिन इसकी बुकिंग अभी से शुरू हो गई है। कर दिया है और अक्षय तृतीया पर इनकी खरीदारी के लिए लोगों में काफी गंज बाजार, रामगंगा विहार स्थित सराफा की दुकानों पर ग्राहकों की रौनक गहनों की खरीदारी करने के लिए जा रहे हैं, तो वहीं कई ग्राहक अक्षय तृतीया के लिए जा रहे हैं।इस दौरान शाम होते ही दुकानों में ग्राहकों की भीड़ बढ़ने लुभाने के लिए कई सराफा व्यापारियों ने मेकिंग चार्जेज में छूट के ऑफर रखे बताते हैं कि पिछले एक साल के अंदर सोने-चांदी के भाव में काफी उतार मुकाबले इनके दाम भी काफी बढ़ गए हैं, लेकिन अक्षय तृतीया पर सोने- परंपरा को निभाते हुए ग्राहक इस बार भी गहने खरीदने में पीछे नहीं हट रहे की खरीदारी के लिए ग्राहक लगातार दुकान में आ रहे हैं और आभूषणों की बुकिंग कर रहे हैं। अभी तक कुल 25 बुकिंग आ चुकी हैं, जिसमें ग्राहकों ने गहने पसंद करके पेमेंट कर दी है। इन आभूषणों को वह अक्षय तृतीया के दिन लेने आएंगे। वह बताते हैं कि ग्राहक डायमंड के आकर्षक गहने व सोने के एंटिक डिजाइन काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं व्यापारी उदित अग्रवाल बताते हैं कि सोने-चांदी के बढ़ते दाम और अक्षय तृतीया के शुभ अवसर को देखते हुए ग्राहक हल्के गहने खरीदना पसंद कर रहे हैं। इस दौरान दुकान में हल्के गहने सजा दिए गए हैं। वहीं अभी से ही ग्राहकों ने गहने पसंद करना शुरू कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

जिम संचालक सुहेल की करतूत आई सामने: हिंदू युवती का बनाया अश्लील वीडियो, गलत काम का दबाव, चार लाख भी हड़पे

जिम संचालक सुहेल मलिक ने युवती का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैक मेलिंग शुरू कर दी। आरोप है कि वह अब तक उससे चार लाख रुपये हड़प चुका है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में जिम संचालक सुहेल मलिक ने एक युवती के साथ दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैक मेलिंग शुरू कर दी। पीड़िता का आरोप है वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी अब तक उससे चार लाख से ज्यादा रुपये हड़प चुके हैं।इसके बाद भी वह उसे लगातार प्रताड़ित कर रहा है। पुलिस ने आरोपी सुहेल मलिक और उसके साथी सादान सैफी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीड़ित युवती ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि चार मार्च 2022 से जिम में जाना शुरू किया था। इसके कुछ दिन बाद उसे एक युवक परेशान करने लगा था। पीड़िता का कहना है कि जिम संचालक एवं सिविल लाइंस के हरथला मंगलवार वाली गली निवासी सुहेल मलिक ने उस आरोपी से उसका पीछा छुड़वाया था। इसके बाद आरोपी सुहेल मलिक ने पीड़िता पर तरह तरह से दबाव बनाना शुरू कर दिया। एक दिन आरोपी ने जिम में ही पीड़िता को रोक लिया और उसके साथ डरा धमकाकर दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो भी बना लिया। इस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर आरोपी उसे ब्लैकमेल करता और चार लाख रुपये से ज्यादा हड़प लिए। पीड़िता विरोध करती तो आरोपी धमकी देता कि वह उसे बदनाम कर देगा। आरोपी पीड़िता की बहन का रिश्ता भी खत्म का चुका है। इसके बाद भी आरोपी उसे रास्ते में रोक कर ब्लैकमेल करता है। पीड़िता का दावा है कि आरोपी पहले भी कई हिंदू युवतियों को ब्लैकमेल कर चुका है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी सुहेल मलिक और उसके साथी सादान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। दोनों की तलाश की जा रही है। पुलिस से शिकायत करने पर दोस्त से कॉल कर धमकी दिलवाई- पीड़िता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि पीड़िता ने आरोपी सुहेल से तंग आकर 10 अप्रैल 2026 को एसएसपी कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिया था। यह प्रार्थना पत्र कार्रवाई और जांच के लिए सिविल लाइंस थाने भेज दिया गया था। इसकी जानकारी मिलने पर आरोपी अलर्ट हो गया और उसने साथी सिविल लाइंस के हिमगिरी कॉलोनी सादान सैफी से कॉल करवाकर धमकी दिलाई है कि वह प्रार्थना पत्र वापस ले ले नहीं तो उसके परिवार को बदनाम कर देंगे। आरोपी और पीड़िता अलग अलग समुदाय के होने के कारण पुलिस अलर्ट हो गई और दोनों की तलाश में दबिश दे रही है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

किसानों की समस्याओं पर डीएम सख्त, हर हाल में गेहूं खरीद के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कलेक्ट्रेट में शुक्रवार को किसान संगठनों के साथ बैठक कर किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसान हित सर्वोच्च प्राथमिकता है और ऐसी बैठकें आगे भी होती रहेंगी।

जिले में 107 गेहूं क्रय केन्द्र स्थापित हैं और 13 मोबाइल केन्द्र भी संचालित किए जाएंगे। किसानों ने फरीदपुर, भुता, मीरगंज व बिशारतगंज में केन्द्र बढ़ाने की मांग रखी, जिस पर डीएम ने नए केन्द्र चिन्हित करने के निर्देश दिए। डीएम ने सख्त निर्देश दिए कि किसी भी किसान को क्रय केन्द्र से वापस न लौटाया जाए। फार्मर रजिस्ट्री न होने पर भी मौके पर पंजीकरण कर खरीद सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बोरे की कमी होने पर अन्य केन्द्रों से व्यवस्था करें और खरीद प्रक्रिया बाधित न हो। लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई।फसल सर्वे, मुआवजा, गन्ना भुगतान और खाद की ओवररेटिंग जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। डीएम ने सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति योजना में पीलीभीत के छात्र-छात्राओं को राहत

तकनीकी कारणों से वंचित छात्रों को मिलेगा दोबारा मौका, जल्द खुलेगा पोर्टल

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत - पीलीभीत/शैक्षिक सत्र 2025-26 के अन्तर्गत छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना से किसी भी कारणवश वंचित रह गए छात्र-छात्राओं के लिए राहत भरी खबर है। समाज कल्याण विभाग द्वारा जल्द ही पोर्टल को दोबारा खोला जाएगा, जिससे छूटे हुए पात्र छात्र-छात्राओं का योजना का लाभ मिल सके। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरूण के निर्देशानुसार यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने आश्स्वत किया कि किसी भी योग्य छात्र को केवल तकनीकी या अन्य कारणों से छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहना पड़ेगा। दोबारा पोर्टल खोलकर सभी पात्र छात्रों को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से छात्रवृत्ति की धनराशि सीधे उनके खातों में उपलब्ध कराई जाए, जिससे उनकी पढ़ाई जारी रह सके। समाज कल्याण विभाग द्वारा अवगत कराया गया है कि तकनीकी कारणों नेशनल इफॉर्मेटिक सेंटर (एनआईसी) द्वारा मास्टर फीस प्रोसेस नहीं हो सकी थी। इसके चलते कई छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। विभाग ने बताया कि इस समस्या का समाधान किया जा रहा है और जल्द ही पोर्टल दोबारा खोलकर छात्रवृत्ति खाते में दी जाएगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी चन्द्रमोहन विश्नोई ने बताया कि पिछले वर्ष 112 से अधिक छात्रों को दोबारा खुले पोर्टल का लाभ मिला था। वित्तीय वर्ष 2024-25 में छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं के तहत विभाग द्वारा पोर्टल खोला गया था। इसके माध्यम से 112 छात्रों को कुल रू. 1345461 रूपये की धनराशि प्रदान की गई थी। इन योजनाओं के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के 47 छात्रों को रू. 364504 रूपये, सामान्य वर्ग के 65 छात्रों को रू. 980957 रूपये की सहायता प्रदान की गई है।

उपजा प्रेस क्लब में पत्रकारों ने रमेश जैन को दी श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । यू पी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री एवं पत्रकार रमेश चंद्र जैन अब पंचतत्व में विलीन हो गए। उनकी आत्मा की शांति के लिए पत्रकारों ने उपजा प्रेस क्लब में शोक सभा कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी।

बताते चलें कि शुक्रवार को उन्होंने भोर में अपनी अंतिम सास ली। उनके पुत्र गौरव ने उन्हें मुखाग्नि दी। एन यू जे यू पी के प्रदेश अध्यक्ष के बख्श सिंह ने जिलाधिकारी मेरठ/ बागपत को फोन किया गया। जिस पर जिला प्रशासन ने उनके निवास पर आकर रमेश जैन के पार्थिव शव पर पुष्पचक्र रखकर श्रद्धाजलि दी। जो पहली बार हुआ। यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन उपजा के प्रदेश महामंत्री रहे नवभारत टाइम्स आदि पत्रों से लंबे समय बड़ौत/ मेरठ में मान्यता प्राप्त रहे 77 वर्षीय पत्रकार रमेश चंद्र जैन अपने पीछे पुत्र गौरव, वैभव सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

बरेली में यू पी जर्नलिस्ट एसोसिएशन उपजा के प्रदेश महामंत्री रहे रमेश चंद्र जैन के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। उपजा प्रेस क्लब, बरेली के अध्यक्ष डॉ पवन सक्सेना, निर्भय सक्सेना, मुकेश तिवारी, पुत्तन सक्सेना, जनार्दन आचार्य, अशोक शर्मा लोटा मुरादाबादी, विजय सिंह सुभाष चौधरी, महेश पटेल, संजय श्रीवास्तव, नीरज आनंद, शुभम सिंह, सुयोग्य सिंह, ललित कश्यप, अनूप मिश्रा, विजय सिंह, अशोक शर्मा, गुरुवचन दास, संजीव यादव, शंकर लाल, सुरेश रोचानी, विवेक मिश्रा, रोहित अग्रवाल किशोर आदि ने शोक व्यक्त किया।

नीम के पेड़ पर लटका मिला किशोरी का शव

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। भमोरा थाना क्षेत्र के मकरंदपुर ताराचंद गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में एक किशोरी का शव घर के आंगन में नीम के पेड़ पर लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या कर शव लटकाने की आशंका जताई है। मकरंदपुर ताराचंद गांव के निवासी जफर अली की चार बेटियों में दूसरी नंबर की 15 वर्षीय सबनूर गुरुवार रात अपनी बहनों के साथ खाना खाने के बाद कमरे में चारपाई पर सो गई थी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला श्रम बन्धु व बाल श्रम टास्क फोर्स समिति की बैठक हुई सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत - जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय जिला श्रम बन्धु समिति, बाल श्रम जिला टास्क फोर्स समिति एवं प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना की बैठक गाँधी सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में शशिकला श्रम प्रवर्तन अधिकारी पीलीभीत द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना व प्रधानमंत्री लघु व्यापारी योजना (पेंशन योजना) के बारे में विस्तार से बताया गया कि यह योजना 18 से 40 वर्ष के श्रमिकों व लघु व्यापारियों के लिए संचालित है, जिसमें वे अपना पंजीयन किसी जनसेवा केंद्र पर जाकर स्वयं करा सकते है। इस योजना के अन्तर्गत पंजीयनकर्ता की आयु 60 वर्ष पूर्ण होने के उपरान्त न्यूनतम 3000/- रूपये प्रतिमाह की दर से पेंशन मिलेगी तथा उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत श्रमिक पंजीयन, श्रमिक के नवीनीकरण एवं निर्माण श्रमिकों के हितार्थ चलाये जाने वाली कन्या विवाह सहायता योजना, मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजनाओं से संबधी जानकारी एवं श्रमिक पंजीयन कराये जाने की जानकारी दी गयी तथा किसी प्रतिष्ठान/ दुकान मे व निर्माण स्थल पर 18 वर्ष से कम आयु के बाल/ किशोर श्रमिकों से बाल श्रम न कराया जाये।

राजन हरदहा प्रवर्तन अधिकारी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन बरेली द्वारा प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अन्तर्गत योजना में 56 प्रतिशत प्रतिष्ठान पंजीयन हो गये है और 44 प्रतिशत जिनमें 85 प्रतिष्ठान का पंजीयन होना शेष है, जिसमें स्कूल, अस्पताल, नगर पालिका एवं राइसमिल आदि है।

जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये है कि प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री लघु व्यापारी योजना (पेंशन योजना) व उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत श्रमिकों के हितार्थ चलायी जा रही योजनाओं के प्रचार प्रसार व आगामी मासिक बैठक जिला उद्योग बन्धु/ वाणिज्य बन्धु की बैठक में उपस्थित होकर योजनाओं से सम्बन्धित जानकारी देने तथा प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अन्तर्गत शेष 85 प्रतिष्ठानों का पंजीकरण कराया जाये। बैठक में श्रम प्रवर्तन अधिकारी, एआरटीओ व समिति के सम्मानित सदस्यगण उपस्थित रहे।

IVRI में आरवीसी अधिकारियों का प्रेरक सत्र, छात्रों का करियर मार्गदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), इज्जतनगर में प्लेसमेंट एवं काउंसलिंग सेल और छात्र कल्याण कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रिमाउंट एंड वेटरनरी कॉर्प्स (आरवीसी) के अधिकारियों द्वारा एक प्रेरणादायी इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम पशु पोषण विभाग के समिति कक्ष में संपन्न हुआ, जिसमें अधिकारियों, प्राध्यापकों और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया।

संवादात्मक सत्र में छात्रों ने भर्ती प्रक्रिया और आरवीसी में करियर से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका अधिकारियों ने विस्तार से उत्तर दिया। सत्र छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक साबित हुआ।मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर अजय सिंह ने पशु चिकित्सा पेशे के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे ज्ञान के मंदिर से जोड़कर बताया कि यहीं से जीवन की मजबूत नींव रखी जाती है। उन्होंने संस्थान की उपलब्धियों और प्रगति की सराहना करते हुए छात्रों को अपने पेशे पर गर्व करने और पूर्ण निष्ठा से कार्य करने की सलाह दी।संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक) डॉ. एस. के. मेंदीरत्ता ने पशु चिकित्सा क्षेत्र में उपलब्ध करियर संभावनाओं और सेना की आरवीसी में अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र राष्ट्र सेवा का सशक्त माध्यम है और छात्रों को अधिक से अधिक आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह के स्वागत भाषण से हुई। इस अवसर पर कर्नल डी.एस. दलाल, कर्नल जलविंदर सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल एम.के. भट्ट सहित कई अधिकारी और संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अभिषेक ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एस. के. साहा ने दिया।

बरेली में 1000 हेक्टेयर में विकसित होगा इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर

भूमि चयन पूर्ण, UPEIDA टीम ने किया स्थलीय निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मा0 मुख्यमंत्री की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (PEIDA) द्वारा जनपद बरेली में 1000 हेक्टेयर भूमि पर इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर (आर्थिक गलियारा) विकसित किया जाएगा। इसके लिए तहसील आंवला क्षेत्र में भूमि चयन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है।

प्रस्तावित कॉरिडोर के लिए चयनित भूमि ग्राम भमौरा, मकरन्दपुर ताराचन्दपुर, पखुरानी कुडढा, भीकमपुर, भरताना, हजरतपुर, यूसुफपुर, खुली एवं चांदपुर मटकी में स्थित है। यह क्षेत्र NH-53®B Bareilly-Mathura Highway तथा भमौरा-आंवला स्टेट हाईवे-125 के आसपास होने के कारण औद्योगिक विकास के लिए उपयुक्त माना गया है।

जिलाधिकारी द्वारा पूर्व में स्थल का निरीक्षण कर प्रस्ताव PEID को भेजा जा चुका है। इसी क्रम में 17 अप्रैल 2026 को PEID के अधिकारियों की टीम ने कन्सल्टेंट एजेंसी व जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने भूमि को परियोजना के लिए उपयुक्त पाया। अब किसानों से सीधे भूमि क्रय की प्रक्रिया को तेज करते हुए परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बाल विवाह पर रोक: समाज से जागरूकता की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। समाज में अब भी कुछ स्थानों पर लड़के और लड़की का विवाह निर्धारित वैधानिक आयु से पहले कर दिया जाता है। कानून के अनुसार लड़के की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और लड़की की 18 वर्ष निर्धारित है, लेकिन इसके बावजूद बाल विवाह की घटनाएं विशेष अवसरों, जैसे अक्षय तृतीया, पर अधिक देखने को मिलती हैं।

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 के तहत बाल विवाह कराना एक दंडनीय अपराध है। इसके लिए दोषियों को दो वर्ष तक की सजा या 1 लाख रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं।

इस वर्ष अक्षय तृतीया 19 अप्रैल को है। ऐसे में आमजन से अपील की जाती है कि इस कुप्रथा को समाप्त करने में सहयोग करें और बाल विवाह को रोकने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले, तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या मोबाइल नंबर 9897045967 पर जानकारी दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

ड्यूटी कटवाने के लिए पैरवी पड़ेगी भारी, करानी होगी स्वास्थ्य जांच

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। एसआईआर की ड्यूटी समाप्त होने के बाद शिक्षकों और विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को लगा कि कुछ दिन राहत मिल जाएगी लेकिन उन्हें अब जनगणना करनी होगी। पहले चरण में मकानों की गणना के लिए 13 हजार शिक्षक-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। बड़ी संख्या में कर्मचारी ड्यूटी से बचने के लिए सिफारिश करा रहे हैं लेकिन उन्हें झटका लगा है। मेडिकल ग्राउंड पर ड्यूटी कटवाने वालों को मेडिकल बोर्ड की जांच से गुजरना होगा। जिले में मकानों का सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य 22 मई से 20 जून तक किया जाना है। इसके लिए कर्मचारियों को 20 अप्रैल से प्रशिक्षण दिया जाएगा। तैयारी शुरू कर दी गयी है, लेकिन इस ड्यूटी को लेकर शिक्षक और कर्मचारी बेचैन हैं। उन्होंने विभिन्न कारणों को गिनाते हुए ड्यूटी कटवाने की सिफारिशें लगवाना शुरू कर दी हैं। कई प्रार्थना पत्र एडीएम एफआर, नगर मजिस्ट्रेट, तहसीलदार सहित कई अन्य अधिकारियों के पास पहुंच रहे हैं। जनगणना अधिकारी एवं एडीएम एफआर संतोष कुमार सिंह ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र जारी कर कहा है कि जनगणना के अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के सफल संचालन के लिए बड़ी संख्या में कार्मिकों की आवश्यकता है। ऐसे में स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के आधार पर ड्यूटी कटवाने आ रहे कार्मिकों का मेडिकल बोर्ड से स्वास्थ्य परीक्षण होना जरूरी है। जांच के आधार पर ही असमर्थ,असहाय कार्मिकों की ड्यूटी काटने पर विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि सीएमओ की अध्यक्षता में गठित मेडिकल बोर्ड के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण कराई जाएगी। उसके बाद संबंधित कार्मिक के जनगणना कार्य में असमर्थ होने की टिप्पणी के साथ प्रार्थना पत्र जिला जनगणना अधिकारी के कार्यालय को भेजें, जिससे कार्मिकों के बारे में विचार किया जा सके।।

हाईवे पर ईको कार में अचानक लगी आग, चालक समेत 11 लोग बचे बाल-बाल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली-बदायूं हाईवे पर शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब चलती ईको सीएनजी कार में अचानक आग लग गई।

कार में सवार चालक सहित कुल 11 लोग समय रहते बाहर निकल गए, जिससे सभी की जान बाल-बाल बच गई। हालांकि कार पूरी तरह जलकर राख हो गई और उसमें रखा करीब 80 हजार रुपये नकद समेत अन्य सामान भी जल गया।

जानकारी के अनुसार, बिनावर थाना के ग्राम सिंगाई कान्तान निवासी 10 लोग हरियाणा से मजदूरी कर एक ही ईको कार में सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे।

जब कार बरेली-बदायूं हाईवे पर गांव घटपुरी के पास पहुंची, तभी अचानक वाहन के पिछले हिस्से से आग की लपटें उठने लगीं। कार सवार लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत गाड़ी रोककर सभी को बाहर निकाल लिया। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन धू-धू कर जलने लगा।

घटना की सूचना मिलते ही थाना बिनावर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। वहीं फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यदि आग की भनक थोड़ी देर से लगती तो बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

जनपद के चयनित 06 परीक्षा केंद्रों पर होगी उत्तर प्रदेश होमगार्डस परीक्षा एनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत - जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में उ0प्र0 होमगार्डस परीक्षा एनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा दिनांक 25, 26 व 27 अप्रैल 2026 को जनपद के 06 परीक्षा केन्द्रों पर होने वाली परीक्षा को सकुशल सकुशल व निर्विघ्न ढ़ंग से सम्पन्न कराने हेतु नामित स्टैटिक मजिस्टेज्ट, सेक्टर मजिस्टेज्ट, केन्द्र व्यवस्थापक सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। उत्तर प्रदेश होमगार्डस परीक्षा जनपद में 06 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में आयोजित की जायेगी।

प्रथम पाली प्रात: 10:00 बजे से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 3:00 बजे से 05:00 बजे तक आयोजित की जायेगी। जिलाधिकारी ने परीक्षा की तैयारियों के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी परीक्षार्थी को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र में मोबाइल, घड़ी, ए0टी0एम0कार्ड, किसी भी तरह की डिवाइस (विद्युत उपकरण), इत्यादि उपकरण न लेकर जाएं।

उन्होंने कहा कि समस्त केन्द्र व्यवस्थापक बोर्ड द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करते हुये, बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी परीक्षा परिसर में बिना आईडी कार्ड के प्रवेश न करें और परीक्षा के समय आईडी कार्ड लगाना अनिवार्य रहेगा। ड्यूटी पर लगाये गये सभी अधिकारी समय पर परीक्षा केन्द्र पहुंचे। उन्होंने कहा कि परीक्षा के एक दिन पूर्व परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण अवश्य कर लें जो भी कमी हो उसे तुरन्त पूर्ण कराया जाये।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण परीक्षा है, सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट/सेक्टर मजिस्ट्रेट यह सुनिश्चित कर लें कि परीक्षा की सारी तैयारियां गुणवत्तापूर्ण हों, प्रश्न पत्रों की सील्ड पैक परीक्षा कक्ष में ही सी0सी0टी0वी0 की निगरानी में निर्धारित समय पर खुलवाना व परीक्षा समाप्त होने के उपरान्त परीक्षा कक्ष में ही सील्ड पैक कराना सुनिश्चित करें। समस्त परीक्षा केंद्र व्यवस्थापक/अधिकारी परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी व सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए टीम भावना से कार्य करें। समस्त परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध रहनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव, अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक.)रोशनी यादव, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, सहित विद्यालयों के प्रधानाचार्य व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गेहूँ क्रय केन्द्र से पलायित केन्द्र प्रभारी निलम्बित

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत - जिलाधिकारी के निर्देश पर सभी क्रय केन्द्रों के निरीक्षण किये जाने के निर्देश के क्रम में अपर जिला सहकारी अधिकारी तहसील कलीनगर चन्द्रिका प्रसाद द्वारा दिनांक 16.04.2026 को सहकारी संघ लि0 शिवनगर एट पूरनपुर मण्डी द्वितीय को निरीक्षण किया। अपर जिला सहकारी अधिकारी तहसील कलीनगर द्वारा निरीक्षण आख्या में उल्लिखित किया कि केन्द्र प्रभारी अचल सिंह, क्रय केन्द्र पर पूर्वान्ह 11:50 बजे तक क्रय केन्द्र पर न ही पहुंचेऔर न ही इनके द्वारा अपनी आनलाइन उपस्थिति दर्ज की गयी। साथ ही विगत कई दिनों से लगातार बिना पूर्व सूचना या समुचित कारण प्रस्तुत किये अनुपस्थित चल रहे हैं। क्रय प्रभारी द्वारा केन्द्र से अनुपस्थित रहने के कारण क्षेत्रीय कृषकों को अपना गेहूं विक्रय करने में असुविधा हो रही है,

इनके द्वारा अपना मोबाइल भी अधिकांश समय बन्द रखा जाता है। क्रय केन्द्र प्रभारी का उक्त आचरण कर्मचारी नियमावली के सर्वथा विपरीत है फलस्वरूप केन्द्र प्रभारी अचल सिंह को निलम्बित करने की संस्तुति की गयी।

तद्क्रम में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता द्वारा अचल सिंह, क्रय केन्द्र प्रभारी शिवनगर सहकारी संघ लि0 एट पूरनपुर मण्डी द्वितीय को क्रय केन्द्र से बिना पूर्व सूचनाके लगातार अनुपस्थित रहने, अभी तक क्रय केन्द्र को क्रियाशील न करने एवं शासन की महत्वपूर्ण न्यूनतम मूल्य समर्थन योजना के प्रति उदासीनता बरतने एवं लगातार उच्चाधिकारियों के आदेशों/निर्देशों का घोर उल्लघंन करने के दृष्टिगत तत्काल प्रभाव से अचल सिंह सहयोगी शिवनगर सहकारी संघ लि0 को निलम्बित किया गया। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता ने अवगत कराया कि किसानों को अगर किसी प्रकार की असुविधा होगी तो क्रय केन्द्र प्रभारी दंडात्मक कार्यवाही के हकदार होंगें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान एवं संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण हेतु अर्न्तविभागीय समन्वय समिति की प्रथम साप्ताहिक बैठक हुई सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत - घर-घर जाकर बुखार, खासी-जुकाम आदि रोगियों की जांच कर कराया जाये उपचार। पीलीभीत -/जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान एवं संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में अर्न्तविभागीय समन्वय समिति की बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ पंचायती राज, शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग, बाल विकास विभाग, नगर विकास आदि द्वारा कार्ययोजना बनाकर सम्पूर्ण माह में अपने-अपने विभागों के माइक्रोप्लान के अनुसार की गयी कार्यवाही की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार संचारी रोगों के प्रभारी नियंत्रण हेतु की जाने वाली कार्यवाही की समीक्षा की गयी। पंचायती राज विभाग द्वारा प्रस्तुत की गयी प्रगति रिपार्ट में ग्राम स्तर पर अभियान के अन्तर्गत आयोजित की जाने वाली रैलियां एवं बैठकें की जा चुकी है। शिक्षा विभाग द्वारा अभियान से सम्बन्धित गतिविधियों को प्रथम सप्ताह में शत-प्रतिशत पूर्ण किया गया। कृषि विभाग द्वारा प्रथम सप्ताह में चूहे एवं छछूंदारों की रोकथाम हेतु अभियान से सम्बन्धित बैठकें आयोजित की गयी। पशुपालन विभाग द्वारा प्रथम सप्ताह में सूकर पालकों के संवेदीकरण लक्ष्य के सापेक्ष संवेदीकरण पूर्ण कराया जाये। नगर पालिका परिषद/नगर पंचायतों द्वारा शौचालयों का निर्माण, फोगिंग, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, हैण्ड पम्पों की मरम्मत कराना सुनिश्चित किया जाये।

दिनांक 10.04.2026 से संचालित हो रहे दस्तक अभियान के तहत आशाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आशा कार्यकत्रियों द्वारा प्रत्येक घर पर जाकर घर वालों को संचारी रोग के वारे में बताने के साथ-साथ घर के अन्दर जाकर यह निरीक्षण किया जाएगा कि घर में कहीं भी टूटे-फूटे सामानों अथवा अन्य अनुपयोगी पात्रों में जल-भराव न हो और यदि ऐसा मिलता है तो तत्काल गृहस्वामी के समक्ष उसे खाली कराया जाएगा और यह बताया जाएगा कि ऐसे पात्रों में ही डेंगू अथवा मलेरिया के लार्वा पनपते है। इसके अतिरिक्त दस्तक अभियान के दौरान आशा द्वारा घर-घर जाकर बुखार, खासी-जुकाम, टी0बी0, फाइलेरिया आदि रोगियों की सूची तैयार कर ई-कवच पर अंकन एवं सी0एच0सी0 पर प्रेषित की जाएगी और ऐसे रोगियों की सी0एच0सी0 पर जॉच कर उन्हे उपचार प्रदान किया जाएगा। साथ ही टीकाकरण, एचपीवी, शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी सहित सम्बन्धित विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं वे बालिकाओं को सुरक्षा सम्मान सरकारी योजनाओं के बारे में जागरुक कराया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/सिकंदर राजा / मुरादाबाद थाना मुगलपुरा मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध महिलाओं व बालिकाओं के साथ गोष्टी कर सर कार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे-विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न

हेल्पलाइन नंबर जैसे - राजकीय जूनियर हाई स्कूल में महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर वूमेन पावर लाइन-1090 घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर - 1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया

तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए रूरू 02 थाना मुगलपुरा जनपद मुरादाबाद

कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर हादसे में घायल मरीजों से किया संवाद, इलाज की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ बस पलटने से हुए सड़क हादसे में घायल मरीजों को देखने मेडिकल कॉलेज पहुंचे कलेक्टर सिरोंज के ग्राम भटौली के पास हुए सड़क हादसे में घायल सभी 8 मरीजों को बेहतर चिकित्सीय प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश विदिशा- कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज शुक्रवार को विदिशा के मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचकर यहां भर्ती 8 गंभीर मरीजों से संवाद कर इलाज की व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। उन्होंने यहां भर्ती सभी 8 मरीजों को चिकित्सीय सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कमी न होने पाए और समय पर सभी चिकित्सीय सुविधाएं मुहैया हों के प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने मेडिकल कॉलेज के सर्जिकल

वार्ड में भर्ती सभी मरीजों के पास पहुंचकर उनसे संवाद किया और हर संभव मदद का आश्वासन देते हुए ढांढस बंधाते हुए सभी मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। गौरतलब हो कि सिरोंज के ग्राम भटौली के पास गुरुवार की सांय काल सड़क हादसे में बस पलटने से हुए घायल सभी 8 मरीजों को अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) अस्पताल के थर्ड फ्लोर स्थित सर्जिकल वार्ड में भर्ती कराया जाकर उचित उपचार के प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं, मेडिकल कॉलेज प्रबंधन द्वारा गंभीर घायल मरीजों को विशेष चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

भारत रक्षा मंच जिला विदिशा की कार्यकारिणी घोषित हुई

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा जिला कार्यालय मैं हुई बैठक संपन्न प्रदेश एवं केंद्रीय नेतृत्व की सहमति से विदिशा जिला अध्यक्ष भगवानदास के नेतृत्व में मार्गदर्शक मंडल एडवोकेट भगवान राज पांडे हाई कोर्ट एडवोकेट ,महेंद्र जैन विदिशा भैया लाल श्रीवास्तव ,हैदरगढ़ सागोनी एडवोकेट, दीपक बाजपेई एडवोकेट, विमल तरण एडवोकेट ,सतीश खत्री समाजसेवी लोकेश पाठक उपाध्याय गण राकेश कुशवाहा, विदिशा राजा ठाकुर तिलक ,राम चरण किरार दुपहरिया मोहन सिंह राजपूत, मुकेश नामदेव ,घनश्याम शिल्पकार, दीपक कुशवाहा, बबलू खटीक ,हरीश , सुंदर राजपूत महामंत्री रघुराज रघुवंशी ,भूपेन डांगी ,संतोष विश्वकर्मा, राकेश तिवारी, सचिव , दशरथ सिंह दांगी, ओम प्रकाश विश्वकर्मा ,कचोरी दास ,मनोज भावसार ,दुर्गेश नामदेव, हल्कू राम चौधरी ,प्रकाश

सूर्यवंशी प्रवक्ता इंजीनियर किशोर अहिरवार , पाठक, कोषाध्यक्ष मुकेश कुशवाहा, विनय सिंह लोधी, देवेंद्र यादव संगठन मंत्री जगमोहन चतुर्वेदी कार्यकारिणी सदस्य पिंटू राजपूत ,चरण यादव ,संजू भाई ,जीतू चौहान ,पर्वत सिंह, सराठे ,सतीश कुशवाहा आदि की घोषणा हुई एवं नवनियुक्त पदाधिकारी को बधाई शुभकामनाएं दी, गई पदाधिकारी ने जिम्मेदारियां निभाने का संकल्प किया।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद से राजस्थान पहुंची रकम, गुजरात में निकाली, मजदूरों के खातों का किया गया इस्तेमाल

मुरादाबाद जिले में पिछले एक साल में करीब 28 लोगों को साइबर ठगों ने शिकार बनाया है। पीड़ितों से करीब 14 करोड़ की राशि ठगी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।साइबर ठगों का जाल देश के कई प्रदेशों तक फैला है। साइबर ठगों ने मुरादाबाद के खातों की रकम राजस्थान में ट्रांसफर कर दी और इस रकम को गुजरात में निकाल लिया गया है। साइबर ठगी के अलग अलग मामलों में साइबर सेल और साइबर थाने की जांच में यह चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। जांच के दौरान पता चला कि ठगी गई रकम को विभिन्न राज्यों में भेजा गया था। ठगों ने मुरादाबाद के पीड़ितों से पैसे ऐंठने के बाद उन्हें राजस्थान के खातों में स्थानांतरित किया। इसके बाद इन पैसों की निकासी गुजरात राज्य के अलग अलग शहरों में डेबिट कार्ड से निकाली गई है। मुरादाबाद में पिछले साल करीब 28 लोगों को साइबर ठगी का शिकार बनाया गया है। इन पीड़ितों से करीब 14 करोड़ रुपये से अधिक की राशि ठगी गई है। साइबर ठगों ने इस रकम को राजस्थान, हरियाणा के एक खाते से दूसरे और दूसरे खाते से तीसरे खाते में रकम ट्रांसफर की गई। टीमें इस गिरोह को तलाशने में जुटी हैं। जिसमें कुछ आरोपी ट्रेस भी कर लिए गए हैं। मजदूरों के खातों का किया गया इस्तेमाल - साइबर ठगों ने ठगी की इन बड़ी वारदातों को अंजाम देने के लिए फैक्टरी, फर्मों और ईंट भट्ठों पर कार्यरत मजदूरों के बैंक खातों का इस्तेमाल किया है। इन मजदूरों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के बहाने इनके आधार और अन्य दस्तावेज लेकर इनके खाते खुलवाकर इनमें ही ठगी की रकम ट्रांसफर की गई थी। टीम जांच करने पहुंचती तो पता चला कि साइबर ठगी में जिनके खातों का इस्तेमाल किया गया है। उन्हें पता ही नहीं है कि उनके खातों में रकम आई है। साइबर ठग मजदूरों को सरकारी योजनाओं का लाभ देकर उनके दस्तावेज हासिल कर लेते हैं। इस साइबर ठगी में उनका इस्तेमाल कर रहे हैं। इस साल साइबर ठगी के मामलों में कमी आई है। पिछले साल साइबर ठगी के जो मामले सामने आए थे। उनकी जांच में सामने आया है कि राजस्थान, गुजरात में रकम ट्रांसफर हुई थी। - सुभाष चंद्र गंगवार, एसपी क्राइम

दारुल उलूम देवबंद में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर पाबंदी, किसी छात्र के पास मिला तो कटेगा नाम

सहारनपुर जिले में स्थित दारुल उलूम देवबंद ने संस्थान में छात्रों के स्मार्टफोन इस्तेमाल करने पर बैन लगा दिया है। ऐसा पढ़ाई से ध्यान न भटकने और अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया है। इस नियम को सख्ती से लागू करने की चेतावनी दी गई है। इस्लामी शिक्षा के प्रतिष्ठित केंद्र दारुल उलूम देवबंद ने अपने छात्रों के बीच अनुशासन और शैक्षणिक एकाग्रता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मल्टीमीडिया मोबाइल (स्मार्टफोन, टैब आदि) फोन के उपयोग पर सख्त पाबंदी लगा दी है। छात्रावास प्रभारी द्वारा जारी किए गए नए आदेश में छात्रों को इन उपकरणों का उपयोग करने से रोक दिया गया है। चेतावनी दी गई है कि यदि तलाशी के दौरान मल्टीमीडिया मोबाइल पाए जाते हैं तो उनके नाम संस्था से काटे जा सकते हैं। दारुल उलूम का कहना है कि यह कदम छात्रों को उनके प्राथमिक उद्देश्य, यानी शिक्षा से विचलित होने से रोकने के लिए उठाया गया है। प्रबंधन का मानना है कि मल्टीमीडिया मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग छात्रों का ध्यान भटकाता है, जिससे उनकी पढ़ाई पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। संस्था का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्र पूरी निष्ठा और लगन से अपने अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करेंछात्रावास के प्रभारी मौलाना मुफ्ती अशरफ अब्बास ने इस संबंध में एक आदेश पत्र जारी किया है, जिसे संस्था परिसर में चस्पा किया गया है। इस आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि किसी भी छात्र, चाहे वह नया हो या पुराना, के पास से मल्टीमीडिया मोबाइल बरामद होने की स्थिति में %अखराज% यानी नाम काटने की कार्रवाई की जाएगी। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि किसी छात्र के पास मोबाइल पाया जाता है, तो वह उसी छात्र का माना जाएगा, भले ही वह उसका उपयोग कर रहा हो या नहीं। मुफ्ती अशरफ अब्बास ने बताया कि यह निर्णय छात्रों को अनुशासित रखने और उनकी पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए लिया गया है। उनका मानना है कि इस पाबंदी से छात्र उस उद्देश्य को बेहतर ढंग से पूरा कर पाएंगे जिसके लिए वे दारुल उलूम में आए हैं। यह उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी संस्था द्वारा मल्टीमीडिया मोबाइल के उपयोग पर इसी तरह की पाबंदी लगाई गई थी, जिसके बाद छात्रों के कमरों की तलाशी भी ली गई थी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

गढ़मुक्तेश्वर कूच से पहले भाकियू (भानु) के दिग्गज नेता हाउस अरेस्ट, किसानों में भारी रोष

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद – भारतीय किसान यूनियन (भानु) के कार्यकर्ताओं में उस समय भारी आक्रोश फैल गया जब गढ़मुक्तेश्वर कूच की तैयारी कर रहे किसान नेताओं को जिला प्रशासन ने हाउस अरेस्ट कर लिया। संगठन ने इसे किसान विरोधी कार्रवाई बताते हुए लोकतांत्रिक अधिकारों का खुला उल्लंघन करार दिया है।

प्रदेश अध्यक्ष के आह्वान पर किसान नेता गढ़मुक्तेश्वर जाने के लिए तैयार थे, तभी घटिया घाट चौकी प्रभारी मोहित मिश्रा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और नेताओं को घरों में ही नजरबंद कर दिया। इस कार्रवाई से जिले भर के किसानों में रोष व्याप्त है।

प्रशासन की इस कार्रवाई में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विकास चंद्र अग्निहोत्री, जिला अध्यक्ष जगपाल सिंह राठौर और जिला पंचायत प्रत्याशी उदित मिश्रा को मुख्य रूप से नजरबंद किया गया। इनके अलावा राजेंद्र सिंह (उपाध्यक्ष, व्यापार प्रकोष्ठ), मुन्ना सिंह (जिला अध्यक्ष, व्यापार प्रकोष्ठ), रामदास गुप्ता (जिला उपाध्यक्ष) सहित जगवीर सिंह, हरवीर सिंह, बाल किशन और अनुज तिवारी को भी पुलिस ने हिरासत में रखा। किसान नेताओं ने प्रशासन के इस कदम को दमनकारी बताते हुए कहा कि पुलिस की लाठियां और बंदिशें किसानों के हौसले को नहीं तोड़ सकतीं। उन्होंने चेतावनी दी कि किसान अपने अधिकारों के लिए आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे और किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेंगे।

नेताओं ने कहा कि किसानों को उनके घरों में कैद करना प्रशासन की हताशा को दर्शाता है। हम जेलों से नहीं डरते, हम लड़ेंगे और जीतेंगे, यह कहते हुए उन्होंने संघर्ष तेज करने का ऐलान किया।

दरअसल, भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफ प्रदेश सरकार के एक पूर्व मंत्री द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में पूरे उत्तर प्रदेश में किसान संगठन विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे थे। इसी क्रम में प्रशासन ने विभिन्न जनपदों में किसान नेताओं को एहतियातन हाउस अरेस्ट कर दिया।संगठन ने साफ चेतावनी दी है कि इस कार्रवाई के खिलाफ जल्द ही अगली रणनीति बनाई जाएगी। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश मिलते ही जिले भर के किसान सड़कों पर उतरेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

स्कूल जाते समय बड़ा हादसा, स्पीड ब्रेकर पर ऑटो उछलने से शिक्षिका के सिर में लगी गंभीर चोट; अस्पताल में भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद – फर्रुखाबाद शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया। कादरी गेट थाना क्षेत्र में स्कूल जाते समय एक शिक्षिका ऑटो में सफर के दौरान घायल होकर बेहोश हो गईं। रास्ते में एक ब्रेकर पर ऑटो के अचानक उछलने से शिक्षिका का सिर लोहे के एंगल से टकरा गया था, जिसके बाद पुलिस की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। ब्रेकर पर उछला ऑटो, सिर में लगी गंभीर चोट- प्राप्त जानकारी के अनुसार, फतेहगढ़ की रहने वाली शिक्षिका महक शहर के ही एक निजी विद्यालय में पढ़ाती हैं। शुक्रवार की सुबह वह अपने घर से स्कूल जाने के लिए ऑटो से निकली थीं। बताया जा रहा है कि रास्ते में एक स्पीड ब्रेकर पर ऑटो जोर से उछला। इस अचानक लगे झटके के कारण शिक्षिका का सिर ऑटो में लगे लोहे के एंगल से जा टकराया। सिर में तेज चोट लगने की वजह से वह ऑटो के अंदर ही अचेत हो गईं। चालक की सूझबूझ और पुलिस की तत्परता- घटना के बाद ऑटो चालक ने घबराने के बजाय सूझबूझ का परिचय दिया और सीधे रोडवेज बस स्टैंड के पास पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और मौके पर पहुंचकर बेहोश शिक्षिका को आनन-फानन में डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया। अस्पताल पहुंचे परिजन, इलाज जारी- लोहिया अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने तत्काल शिक्षिका का उपचार शुरू किया। डॉक्टरों के अनुसार, सिर में जोरदार झटका और चोट लगने के कारण ही वह बेहोश हुई थीं। घटना की खबर मिलते ही शिक्षिका के परिजन भी बदहवास हालत में लोहिया अस्पताल पहुंच गए। फिलहाल चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज जारी है।

गेहूं की कटाई के दौरान भीषण हादसा; थ्रेशर की पुली में फंसे किशोरी के बाल, हालत गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद – फर्रुखाबाद अमृतपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रतनपुर पमरान गांव में शुक्रवार सुबह गेहूं कटाई के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। खेत में काम कर रही एक 17 वर्षीय किशोरी के बाल अचानक थ्रेशर मशीन की पुली में फंस गए। इस हादसे में किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई है, जिसे आनन-फानन में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका सघन इलाज जारी है। गेहूं को बोरियों में भरते समय हुआ हादसा- प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना गांव के अतुल सक्सेना के खेत में हुई, जिसे राम सिंह ने बटाई पर लिया हुआ है। शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे खेत में गेहूं की कटाई का काम जोरों पर था। इसी दौरान राम सिंह की पुत्री मोहिनी (17 वर्ष) थ्रेशर मशीन से निकल रहे गेहूं को बोरियों में भर रही थी। काम करते समय अचानक उसके खुले बाल थ्रेशर की तेज रफ्तार पुली की चपेट में आ गए। चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीण- बाल फंसते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल हो गया। परिजनों और वहां मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत मशीन बंद कराई और लहूलुहान हालत में मोहिनी को एक निजी वाहन की मदद से अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि हादसे में मोहिनी को गंभीर चोटें आई हैं। पारिवारिक जानकारी के अनुसार, घायल मोहिनी अपने परिवार में सबसे बड़ी संतान है। उसके परिवार में दो छोटे भाई- बंटू (14 वर्ष) व अजय (8 वर्ष)- और एक छोटी बहन अरोनी (2 वर्ष) शामिल हैं। हादसे के बाद से परिवार सदमे में है। पुलिस ने ट्रैक्टर-थ्रेशर को लिया कब्जे में- घटना की सूचना मिलते ही अमृतपुर थाना प्रभारी रक्षा सिंह तुरंत मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल से ट्रैक्टर और थ्रेशर मशीन को अपने कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इलाज के खर्च पर समझौते की चर्चा- इस मामले के संबंध में हल्का इंचार्ज प्रताप सिंह ने जानकारी दी कि फिलहाल दोनों पक्षों (पीड़ित परिवार और ट्रैक्टर मालिक) के बीच आपसी समझौते की बात चल रही है। ट्रैक्टर मालिक ने घायल मोहिनी के इलाज का पूरा खर्च उठाने का आश्वासन दिया है, जिसके आधार पर मामले को सुलझाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

रोडवेज बस और बोलेरो की टक्कर के बाद भारी हंगामा, 4 उपद्रवी पुलिस की गिरफ्त में

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद – कमालगंज गुरुवार रात एक सड़क हादसे के बाद भारी हंगामा और खौफनाक मंजर देखने को मिला। खुदागंज के पास कानपुर से फर्रुखाबाद जा रही लीडररोड डिपो की एक रोडवेज बस की बोलेरो से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि बोलेरो सवार लोगों ने बस का पीछा किया और उस पर ताबड़तोड़ पथराव शुरू कर दिया। यात्रियों में मची चीख-पुकार, चालक ने दिखाई गजब की हिम्मत- अचानक हुए इस हमले से बस में सवार यात्रियों में दहशत फैल गई और अफरा-तफरी मच गई। स्थिति को बेकाबू और यात्रियों की जान को खतरे में देख बस चालक ने गजब की सूझबूझ का परिचय दिया। उसने बस को रास्ते में रोकने के बजाय सीधे कमालगंज थाने के बाहर ले जाकर खड़ा कर दिया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। पुलिस ने उपद्रवियों को लिया हिरासत में थाने के बाहर बस रुकते ही पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके से तीन से चार उपद्रवियों को हिरासत में ले लिया है। घटना की सूचना मिलते ही सीओ अमृतपुर अमरपाल सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अरुण कुमार सिंह भी दलबल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने बस में सवार सभी डरे-सहमे यात्रियों को कमालगंज थाने में सुरक्षित रुकवाया। क्या कहते हैं प्रत्यक्षदर्शी?- इस पूरी घटना को लेकर दोनों पक्षों के अपने-अपने दावे हैं- * बोलेरो सवार का आरोप- घटना में क्षतिग्रस्त हुई बोलेरो में सवार बाराती अवनीश यादव ने बताया कि रोडवेज बस लगभग 100 की रफ्तार से आ रही थी और अचानक उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। उनका आरोप है कि हादसे के बाद चालक भागने की कोशिश कर रहा था। इस हादसे में उनकी बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और एक व्यक्ति घायल हुआ है।

* बस यात्री की आपबीती- बस में कानपुर से हल्द्वानी जा रहे यात्री सुमित ने बताया कि पीछे से आई एक कार ने बस को ओवरटेक कर रास्ता रोक लिया। इसके बाद कार और बाइक से आए 3-4 लोगों ने बस पर पथराव शुरू कर दिया। हमलावरों के चेहरे खुले थे और एक के हाथ में लाठी-डंडा भी था। सुमित के मुताबिक, यह खौफनाक पथराव लगभग 1 से 2 किलोमीटर तक लगातार चलता रहा। पुलिस की जांच जारी- इस पूरी घटना में बस चालक और आगे बैठे कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि स्थिति अब पूरी तरह से नियंत्रण में है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सघन जांच शुरू कर दी गई है और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएग

मीरगंज में पिता की हत्या का खुलासा, बेटे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद बरेली के थाना मीरगंज क्षेत्र में हुई एक सनसनीखेज हत्या का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना ग्राम खमरिया आजमपुर की है, जहां जमीन विवाद के चलते बेटे ने अपने ही पिता की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, दिनांक 22 अक्टूबर 2025 को इस मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर 17 अप्रैल 2026 को पुलिस टीम ने आरोपी कुलदीप (उम्र 34 वर्ष) को मीरगंज स्थित डाकखाना चौराहे के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके पिता बाबू सिंह का व्यवहार ठीक नहीं था और वे बिना बताए कई दिनों तक घर से बाहर रहते थे। जमीन बेचने को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। दीपावली से पहले पिता के कई दिनों तक घर न लौटने पर जब वह उन्हें खोजते हुए गन्ने के खेत में पहुंचा, तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में आकर आरोपी ने अपने पिता के हाथ बांधकर गला दबा दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। इसके बाद घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए उसने शव को पेड़ से लटकाने की कोशिश की, लेकिन जल्दबाजी में वह पूरी तरह सफल नहीं हो पाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया है। निरीक्षक अपराध संजय तोमर, उपनिरीक्षक पंकज कुमार, उपनिरीक्षक महेश कुमार सहित पुलिस टीम ने इस मामले का खुलासा किया।

अतिक्रमण में जीआरएम स्कूल में पंद्रह फीट तक अवैध कब्जा चिह्नित

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली।कोहाड़ापीर- कुदैशिया रोड के चौड़ीकरण को लेकर नगर निगम ने कमर कस ली है। अफसरों का कहना है जो निर्माण राह की बाधा बन रहे हैं, उन्हें 15 दिन में अतिक्रमण खुद हटाने को कहा गया है। इसके बाद निगम एक्शन लेगा और हर्जाना भी वसूलेगा। नैनीताल रोड पर जीआरएम स्कूल का गेट और बाउंड्रीवॉल का हिस्सा सहित कई प्रतिष्ठान चौड़ीकरण की जद में हैं और मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाली परियोजना के चलते में निगम के तेवर सख्त हैं। बीते दिनों कोहाड़ापीर से नैनीताल रोड तक नगर निगम की निर्माण विभाग की टीम ने कुल 386 छोटे-बड़े अवैध कब्जे चिह्नित किए हैं। इनमें जीआरएम के सामने वाली पट्टी पर स्थित करीब 80 दुकानदारों और भवन स्वामियों को 15 दिन का अंतिम नोटिस चस्पा किया गया है। सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण माने गए प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी होने के बाद हड़कंप की स्थिति नजर आ रही है। मंत्री, सांसद और विधायकों की सिफारिश भी काम नहीं आ रही। सोमवार को वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार के हस्तक्षेप पर निगम ने फिलहाल ध्वस्तीकरण रुक गया है। मंत्री ने अफसरों से कहा है कि सभी पक्षों के साथ बैठक कर कार्रवाई आगे बढ़ाई जाए। हालांकि, निगम के अफसरों का कहना है कि 15 दिन की नोटिस अवधि बीतने के बाद कार्रवाई फिर शुरू कर दी जाएगी। फिर चाहे वो स्कूल-बारातघर हों या अन्य प्रतिष्ठान, एक्शन समान रूप से होगा।

संक्षिप्त समाचार

वंशिका ने किया क्षेत्र का नाम रोशन

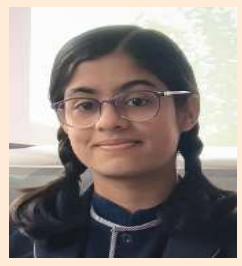

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी / नटेरन-- नटेरन तहसील के निवासी की पुत्री वंशिका ग्राम पमरिया बालकृष्ण विश्वकर्मा विश्वकर्मा ने सेंट्रल बोर्ड से 10 कक्षा में 98.6 प्रतिशत अंक लेकर नटेरन क्षेत्र सहित अपने माता पिता वा स्कूल का नाम रोशन किया है इस उपलब्धि पर वंशिका ने बताया की सेंट्रल बोर्ड की परीक्षा में यह सफलता रातोंरात नहीं मिली है। परीक्षा में अच्छा प्रदर्श2न करने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत की है। परीक्षा में टॉप करने के लिए वंशिका ने रोजाना कई घंटों की पढ़ाई की और परीक्षा के लिए एक सुनियोजित रणनीति भी बनाई। ऐसे में आज वंशिका उन सभी युवाओं के लिए एक प्रेरणा की मिसाल हैं, जो प्रतियोगी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं।

सरकारी स्कूलों में मिल रही कॉन्वेंट जैसी सुविधाएं- विधायक राघवेंद्र शर्मा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली, रिठौरा। कंपोजिट विद्यालय नत्थू रमपुरा में आयोजित %शिक्षा चौपाल% कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बिथरी चैनपुर विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने सरकार की शिक्षा नीति की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों की तस्वीर बदल दी है। अब हमारे परिषदीय विद्यालय किसी भी स्तर पर कॉन्वेंट स्कूलों से कम नहीं हैं और छात्रों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। कार्यक्रम के दौरान विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. विनीता ने छात्र-छात्राओं को नया शैक्षिक सत्र की किताबें वितरित कीं। किताबें पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। विधायक ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ने और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. विनीता ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्र का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षकों को स्पष्ट संदेश देते हुए ,शिक्षण कार्य केवल एक पेशा नहीं है। शिक्षक स्वयं को छात्र का माता-पिता और अभिभावक मानकर उन्हें दुलार के साथ शिक्षा दें। एक सुरक्षित और प्रेमपूर्ण वातावरण में शिक्षण कार्य कराने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया और नवनिर्मित बाल वाटिका कक्ष का फीता काटकर लोकार्पण किया। विद्यालय को गोद लेने वाले पंडित सुशील पाठक ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित स्कूल भेजने की अपील की। शत -प्रतिशत उपस्थिति वाले छात्र-छात्राओं और संकुल के उत्कृष्ट शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मुख्य अतिथि ने जमकर प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन रोजगार सेवक अभिषेक शर्मा ने किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हरेंद्र पटेल, बीईओ विजय कुमार सिंह, ग्राम प्रधान वीरपाल, एआरपी सौरभ शुक्ला, राममोहन तिवारी, अरविंद चौधरी, अजय कुमार, शुभम, आईजा बेला, नीरज रानी, इला मंडल, ऋतु मिश्रा, कमलेश कुमारी, प्रमोद गंगवार,राजेश शर्मा, विनोद यादव सहित तमाम अभिभावक मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

These 5 first date mistakes will ruin your image. If you want to make a good impression, avoid these mistakes.

The first date determines your image in front of your partner. So avoid making certain mistakes during this time. The first date determines whether your relationship will continue. Avoid mentioning your ex-partner; focus on the present – partner. The excitement and nervousness of a first date are closely and make an impression. But sometimes, in our image. Here are some mistakes you should avoid on a yourself – Often, people get so engrossed in recounting their present. This can make you appear a little self-centered. want them to listen to you. Ask them questions and listen relationships or breakups on a first date is a major mistake. that you're emotionally unstable. Focus on the present and you're constantly checking your phone notifications or person. This gives the impression that you're not interested on the first date and put it in your pocket or bag. Your full about your salary, position, or lifestyle to enhance your When the truth comes out, your image is severely tarnished.

??instead of being lost in your phone, pay full attention to your unparalleled. It's a time when you try to get to know someone excitement or unknowingly, we make mistakes that can damage first date to help your relationship progress. Talking only about accomplishments and stories that they forget the other person is Therefore, listen to the other person as attentively as you would carefully to their answers. Discussing your ex - Bringing up past It sends the message that you haven't yet moved on from them or leave past matters for the future. Being lost in your phone - If typing messages during a date, you're disrespecting the other in the other person. Therefore, put your phone on silent mode attention should be on your partner. Showing off or lying - Lying image can prove costly. Relationships built on lies don't last long. So, be yourself. Speak about yourself simply and honestly. Be rude to others: You may be nice to your partner, but if you're rude to a waiter or parking attendant, your true nature is revealed. This reveals your ego and poor upbringing. Be polite to everyone. Your behavior defines your true identity.

Are you being crushed between your parents and children? How to Take Care of Yourself, the 'Sandwich Generation'

The Sandwich Generation is growing in numbers both in India and around the world. This generation faces both financial and mental stress. The Sandwich Generation cares for both children and elderly parents, pressure. Maintain balance planning. As the name generation between two every responsibility for their aging parents. This generation, responsibilities and often finds themselves. This impacts their this generation can balance fulfilling these responsibilities. generation: This generation, relationships with their they aren't getting enough same way. They lack time to hobbies nor to take time for breaks can lead to irritability or generations can often lead to can find a middle ground: you can't take a long break make a big difference. Don't incredibly stressful, and exacerbate the problem. So

facing stress, time constraints, and financial with small breaks, support, and financial suggests, the Sandwich Generation is a generations. They not only have to fulfill growing children but also care for their aged between 40 and 50, is crushed between it difficult to find time to take care of own health and career. So, let's explore how their mental and financial stress while Problems faced by the sandwich caring for their parents, may have strained partners or children. The spouse may feel attention, and the children may feel the focus on themselves, neither to pursue their themselves. Working continuously without depression. Meeting the needs of two office deadlines or demands. This is how you Micro-breaks are also appropriate: Even if throughout the day, even a few minutes can suppress your feelings: Caregiving is keeping your feelings bottled up can don't hesitate to share how you're feeling. Seek help from others: You can enlist the help of your siblings, close relatives, or friends. Build a strong support system and don't hesitate to reach out for help whenever needed. Set limits: Saying yes to everything can add to your stress. So, establish some rules and, if necessary, set boundaries. To ease the workload, delegate some tasks to your partner. Protect your financial health: Caregiving can put a strain on your finances. Some senior care programs can help ease this burden. You can also use budgeting tools to manage your expenses.

These 5 healthy and light breakfast options will keep your stomach cool and your body energized during the summer.

In the summer, oily and spicy food becomes difficult to digest. Therefore, it's best to eat something healthy and light for breakfast. Light and nutritious food should be eaten during the

summer. Dahi-Chura improves digestion and cools the body. Ragi Ambli keeps the body hydrated. As the heat increases, our digestive power decreases. The intense heat also reduces appetite. Eating oily and spicy food can lead to lethargy and heaviness. Therefore, in this season, everyone wants to eat something that will provide energy throughout the day and keep the stomach cool. To do this, you can prepare some breakfast dishes that will keep your digestion healthy and prevent fatigue throughout the day. Let's explore the perfect breakfast dishes for the summer season. Dahi-Chura is a favorite summer breakfast in homes in Bihar and Uttar Pradesh. Yogurt is rich in probiotics, which aid digestion and cool the body. Rice flour is a good source of carbohydrates that provides instant energy. Wash and soak rice flour, then add fresh yogurt and a little jaggery or sugar. Oats and Chia Pudding: If you want to avoid the morning rush, this breakfast is perfect for you. Oats are high in fiber, which keeps you full for a long time. Chia seeds are a good source of omega-3 fatty acids and hydration. Soak milk, oats, and chia seeds in a jar overnight and store it in the refrigerator. In the morning, add chopped fruits and dried fruits of your choice and eat. Mixed Vegetable Poha: Being light and easily digestible, poha is a favorite in every Indian kitchen. Poha is a good source of carbohydrates. Additionally, the peanuts and vegetables added to it are a good source of protein and vitamins. In the summer, you can increase the amount of lemon; it provides vitamin C and refreshes your mind. Ragi Ambli: This traditional South Indian drink is a superfood for summer. Ragi has a cooling effect and is rich in calcium. Cook ragi flour in water to form a thick paste. Once cooled, add buttermilk, a little salt, and finely chopped onions. This breakfast will keep you hydrated until noon. Moong Dal Chilla: If you're looking for a protein-rich breakfast, moong dal chilla is a great option. Moong dal is much lighter than other lentils and is easily digestible. Stuff it with paneer or grated vegetables and eat it with mint chutney. Mint helps keep the body naturally cool.

Slept on the footpath, cut bus tickets, worked for 11 rupees; the story of the 'magician' who gave birth to 2,000 'cult songs'

Did you know that the man who wrote songs like 'Badan Pe Sitare Lapet Hue' and 'Zindagi Ek Safar Hai Suhana' once used to cut tickets on Mumbai buses? How did he become a cinema magician with a salary of just 11 rupees? Let's find out... He lived by sleeping on the footpath; Raj Kapoor's film changed his fortune - gave Hindi cinema over 2,000 memorable songs. If

stories have been powerful in Indian cinema, music has also played an unmatched role in it. Those who understand music believe that music is perhaps the backbone of cinema. Decades have passed, but music has always carved its own unique identity in cinema. When music is created, musicians also play a special role in it. Our story today is about a cinematic musician whose life faced a storm of struggles, but how Hasrat Jaipuri, breaking through that storm, shone in the bright sky. Let's find out... Hasrat Jaipuri's early life - Who knew how to put romantic feelings into words? Who knew he would wield such magic with words that cinema would be blessed with so many cult songs? Hasrat Jaipuri was born on April 15, 1922, in Jaipur, Rajasthan. His real name was Iqbal Hussain. He received his early education in Jaipur, where he learned the art of poetry and shayari from his maternal grandfather, Fida Hussain. He also learned Urdu and Persian from his maternal grandfather. Although he received English education, his interest lay more in the words that gave form to emotions. Hasrat's mother disliked this, so she threw him out of the house. He was just 20 years old when he faced failure in love. Who knew that 20-year-old Hasrat's hopes for love would be shattered so suddenly? After being hurt in love, he changed his name to Hasrat, which means "unfulfilled desire." Since he was from Jaipur, the word "Jaipuri" was added to his name, and it was this name that made him famous in the film industry. A career in Mumbai: In 1940, Hasrat Jaipuri came to Mumbai to try his luck. He struggled to make ends meet. He had neither much money nor any acquaintances. He slept on the footpath for days without eating. After much struggle, he found a job and worked as a bus conductor for almost eight years. Even while cutting tickets, he would compose poems in his mind. He was paid 11 rupees per month for this job. However, the noise of his struggles echoed around him. His fortunes changed because of Prithviraj Kapoor: One day, Hasrat Jaipuri was at a mushaira. While he worked as a conductor, he also attended mushairas. One day, he attended a mushaira where Prithviraj Kapoor was present. Prithviraj's son and actor Raj Kapoor was preparing for the film Barsaat. At the mushaira, Prithviraj Kapoor heard his poetry and introduced him to his son, Raj Kapoor. This was the turning point in Hasrat Jaipuri's fortunes. Hasrat Jaipuri got his break in the 1949 film Barsaat. For this film, he wrote songs like "Jiya Beqarar Hai..." and "Chhod Gaye Balam..." and became an overnight sensation. After this film, Raj Kapoor hired him for a salary of 300 rupees. However, Hasrat Sahib wasn't solely writing for Raj Kapoor; he had the freedom to work with other filmmakers and composers. Hasrat Jaipuri wrote songs for several of Raj Kapoor's films, including his hit pairing with Shankar-Jaikishan and Shailendra. The duo of Hasrat Jaipuri and Shailendra, along with Shankar-Jaikishan's music, ruled Hindi film music in the 1950s and 60s. This team produced countless hits. However, after Jaikishan's death in 1971, the trio broke up. However, Hasrat Jaipuri's career continued to produce brilliant songs. He wrote songs for films like Awara, Shree 420, Sangam, Junglee, Professor, Aarzoo, and Suraj. He also produced countless hits, including "Baharon Phool Barsaao," "Zindagi Ek Safar Hai Suhana," "Ehsaan Tera Hoga Mujh Par," and "Badan Pe Sitare Lapet Hue." He wrote hit after hit for artists ranging from Shammi Kapoor to Dev Anand. A film song became a true love letter: A famous story goes that Hasrat Jaipuri fell in love with a Hindu girl named Radha in Jaipur. He wrote a love letter to her. Years later, when Raj Kapoor was making the film "Sangam," Hasrat Jaipuri turned the words from that letter into a song. The song was, "Bol Radha Bol Sangam Hoga Ki Nahin." Hasrat Jaipuri himself revealed this in an interview. Furthermore, Hasrat Jaipuri was in Paris once. There, he saw a woman wearing a dress embellished with glittering stars. The sight stirred his mind, and he wrote the lines of this timeless song right there. The song was titled "Badan Pe Sitare Lapet Hue." Hasrat Jaipuri was against love marriage. Hasrat Jaipuri gave countless romantic songs to cinema, but he himself was always against love marriage. He married at the age of 35, as per his mother's choice. After marriage, he had two sons, Akhtar Hasrat Jaipuri and Asif Hasrat Jaipuri, and a daughter, Kishwar Jaipuri. However, after marriage and the breakup of Shankar Jaikishan, he was no longer very active in cinema. However, he once accepted a challenge from his nephew, Anu Malik, and composed a brilliant song. Raj Kapoor again cast Hasrat in 1985's "Ram Teri Ganga Maili." gave him a chance and he gave a superhit song like "Sun Sahiba Sun". He composed this song only on the condition of his nephew Anu Malik. Anu Malik's maternal uncle was Hasrat Jaipuri. He died on September 17, 1999 in Mumbai. He wrote more than 2000 songs for more than 300 films. Till his last breath, he kept awakening love in the hearts of people through his poetry and songs. This is the reason that even today everyone remembers the songs written by him by heart.

Seeing this beauty in a bikini made Ranveer Singh sweat; the Dhurandhar hero was in a bad shape while posing.

Sonali Raut shared her experience of an old bold photoshoot with Ranveer Singh. She explained that Sonali, famous for the 2014 film "The Xpose" and "Bigg Boss 8," was experienced at the time, while Ranveer Singh was very shy and nervous. Sonali Raut had done a bold photoshoot with Ranveer Singh. Ranveer Singh was very shy at the time - Sonali had done the bikini photoshoot. Indian actress and model Sonali Raut gained popularity with her roles in the 2014 Bollywood film "The Xpose" and "Bigg Boss 8." The actress is now a part of "Bigg Boss Marathi Season 6." Sonali Raut made a shocking revelation - In a recent interview, the actress opened up about her completely different perspective on Ranveer Singh, with whom she did a bold cover shoot. Sonali has said such things about Ranveer Singh that if you compare it with his present personality, you will be surprised. Remove Ad - Read News Only Sonali Raut recalled how she had experience doing such a bold photoshoot, while Ranveer Singh, who was new to the field, was very shy. Ranveer was very shy - Sonali - Sonali told Filmbeat, "I know Ranveer in a very different way. I posed with him, and a few years later, he did the same pose with Vaani Kapoor. At that time, Ranveer was very sweet, friendly, and good- natured. He wasn't as energetic at that time. Actually, he was very shy because it was a bikini photoshoot after all." Sonali further said, "It was a very bold and glamorous shoot. Ranveer told me beforehand that this was his first shoot of this kind, so glamorous, and that too with a girl wearing a bikini." Ranveer was nervous in front of Sonali - Sonali said that Ranveer was very nervous. He was chewing gum, he was wearing perfume... whereas I was completely calm, and the photographer also said, "Sonali, don't make him uncomfortable because you're fine, but he's a little nervous. Make him feel comfortable." Years later, Ranveer Singh did a similar photoshoot with Vaani Kapoor.

Is Shah Rukh Khan's ex-bodyguard earning 2.5 crore rupees? Yasin Khan said, "10 lakh rupees a month..."

There was a buzz on social media that Shah Rukh Khan's ex-bodyguard's salary was in crores. Find out the truth... Shah Rukh's ex-bodyguard revealed his real salary. Shah Rukh's bodyguard reacted to the claim of charging crores. Shah Rukh's wife Gauri Khan had increased the bodyguard's salary. Big Bollywood stars have security guards. They don't move around without security guards, whether it's attending parties or traveling abroad. Consequently, there are rumors that celebrity security guards earn crores. Recently, Shah Rukh Khan's ex-bodyguard, Yasin Khan, revealed that there was a buzz on social media that he earns 2 to 2.5 crore rupees. Now, Yasin Khan has revealed how much salary bodyguards or security guards actually receive. What is Shah Rukh Khan's bodyguard's salary? Yasin Khan says that no bodyguard earns 2 or 2.5 crore rupees. In a conversation with the Hindi website Pinkvilla, he said, "That doesn't happen. Who pays 10 lakh rupees per month?" Yasin Khan says that no bodyguard's salary is in crores; all bodyguards have a fixed salary. Everyone is paid based on their experience. A bodyguard with more experience earns 1 lakh rupees per month. Shah Rukh's wife used to give extra money to the bodyguards. Yasin Khan has worked as a bodyguard with Shah Rukh Khan for almost a decade. He said that he used to get extra payment for protecting the actor on film sets. He once spoke to Gauri Khan about the higher pay for bodyguards on film sets, and Gauri offered him more to protect Shah Rukh Khan. Yasin Khan, who has worked as a bodyguard for several celebrities, including Mahendra Singh Dhoni, Virat Kohli, and Yuvraj Singh, now runs his own security firm.